दैनिक
भारत देश हमारा
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी   www.Bharatdeshhamara.com   DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 102 पटियाला मंगलवार 14 अप्रैल 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

दिल्ली विधानसभा को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली 13 अप्रैल (निस) दिल्ली विधानसभा को सोमवार को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ई-मेल में 15 आरडीएक्स आईईडी बम लगाने और तीन घंटे के भीतर धमाका करने का दावा किया। चुनाव से पहले ब्राह्मणों को तमिलनाडु की सत्ताधारी क्षेत्रीय पार्टी डीएमके से दूर रहने की चेतावनी दी गई।

हादसे में 11 की मौत

कल्याण, 13 अप्रैल (निस) मुंबई से सटे कल्याण-नगर महामार्ग पर मुरबाड तालुका के गोविली गांव स्थित रायता पुल पर सोमवार को एक बेहद दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। यात्रियों से भरी एक इको टैक्सी और मिक्सर ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गयी।

सम्पादकीय

अमेरिका और इजराइल पर ईरान को रत्ती भर भरोसा नहीं?

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहली बार अमेरिका और ईरान के बीच आमने-सामने वार्ता हुई। इस बातचीत को लेकर अमेरिका और ईरान के जो प्रतिनिधि मंडल पाकिस्तान पहुंचे थे, उनमें आपसी सहमति नहीं बन पाई। बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचे यह बातचीत पूरी तरह से बेनतीजा रही। शनिवार को ईरान ने लेबनान पर हमले रोकने की शर्त रखी। अमेरिका ने इस पर चुप्पी साध रखी। दोनों देशों के प्रतिनिधि मंडल की सीधी वार्ता में राजनीतिक, सेना और अर्थव्यवस्था के मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिका की ओर से ईरान द्वारा पेश किए गए मुद्दों के किसी एक पर ऐसी कोई रुचि नहीं दिखाई, जिसे ईरान स्वीकार कर सके। अमेरिका का जो प्रतिनिधिमंडल आया था, वह भी हार्मोंज को खोलने के लिए अड़ा रहा। अमेरिका के इस प्रस्ताव को ईरान के प्रतिनिधि मंडल ने नहीं माना। ईरान का कहना था, सारे मुद्दों पर एक साथ बातचीत हो। एक साथ निर्णय लिए जाएं। ईरान पहले भी इस बात को कह चुका था। वह युद्धविराम के पक्ष में नहीं है। वह चाहता है, स्थाई रूप से युद्ध रुके। जो भी विवाद के कारण हैं, उन्हें दोनों पक्ष आपस में मिलकर सुलझायें। पाकिस्तान में हुई इस वार्ता में सबसे बड़ा अड़ंगा इजराइल ने लगा रखा था। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु लेबनान को निशाने पर रखना चाहते थे। दोनों ही पक्ष अपना-अपना प्रेशर एक दूसरे पर बनाते रहे। इस बैठक में चीन और पाकिस्तान की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। यदि होती तो कुछ ना कुछ समझौते की राह निकलती। दोनों ही पक्ष इसे अपनी हार और जीत के रूप में देख रहे थे। पाकिस्तान मे हुई वार्ता बेनतीजा रही। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और इजराइल का इतिहास रहा है, इन्होंने हमेशा युद्ध विराम की आड़ में धोखा किया है। ईरान के साथ भी कई बार धोखा हो चुका है। जिसके कारण ईरान इस बार पूरी तरह से सतर्क था। अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर जो संयुक्त रुप से हमला किया गया है, उसमें ईरान को बहुत अधिक नुकसान हुआ है, इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता है। ईरान अब आर-पार की लड़ाई लड़ने में आ गया है। सौ सुनार की और एक लोहार की तर्ज पर इस समय ईरान का वार अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा है। ईरान को अच्छी तरह से मालूम था, यह बातचीत बेनतीजा रहेगी। इसलिए उसने अपनी युद्ध की तैयारी में जरा भी कोताही नहीं बरती। ईरान विश्व को यह बताने से भी नहीं चूका, कि वह शांति के पक्ष में है। युद्ध विराम के बाद जब इजराइल ने लेबनान पर हमले किए, इसका जवाब ईरान ने हिजबुल्ला के माध्यम से इजराइल को देकर वहां पर भारी तबाही मचा दी है। जो राजनीति अभी तक अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान के साथ कर रहे थे, वही फार्मूला अब ईरान ने भी अपना लिया है। अमेरिका इस युद्ध में बुरी तरह से फंसा हुआ है। अमेरिका युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। इजराइल के दबाव में वह बाहर नही निकल पा रहा है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है, जल्द ही अमेरिका समझौता के लिए नए रास्तों की तलाश करेगा। अमेरिका में जिस तरह से महंगाई एवं बेरोजगारी बढ़ रही है, उससे निपटने के लिए युद्ध बंद करना बहुत जरूरी हो गया है। इसके अलावा कुछ महीनो में अमेरिका में कुछ राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उसके पहले ट्रंप को अपनी स्थिति को मजबूत करना है। जिस तरह से अमेरिका और इजराइल की जनता सड़कों पर उतरकर विरोध कर रही है। उसके बाद अमेरिका और इजराइल के पास अन्य कोई विकल्प भी नहीं बचा है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने जीवन की सबसे कठिन पारी को खेल रहे हैं। युद्ध बंद होने की दशा में उन पर अंतरराष्ट्रीय अदालत और इजराइल की अदालत में मुकदमा चलना तय है। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप हैं। उससे बचने के लिए उन्होंने पिछले 3 वर्षों से फिलिस्तीन, गाजा, लेबनान एवं अन्य देशों पर जिस तरह के हमले किए हैं, उन्होंने अपनेआप को बचाने के लिए तबाही मचा रखी है। अब जिस तरह की स्थिति बनी है, उसके बाद अमेरिका और इजराइल को भविष्य का ध्यान रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ेंगे। जिस तरह से इजराइल में तबाही हुई है। उसके बाद वहां की जनता भी सड़कों पर आकर नेतन्याहू को हटाने की मांग कर रही है। जनता के गुस्से को कब तक नेतन्याहू काबू में रख पाएंगे, कितने समय तक बचे रहेंगे। यह कहना बड़ा मुश्किल है। भारतीय संदर्भ में कहा जाए तो इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जिस तरह छोटे-छोटे बच्चे-बच्चियों, महिलाओं, और बीमारों को मौत के घाट उतारा है, उसके बाद उनके पाप का घड़ा पूरी तरह से भर चुका है। जिस तरह का अहंकार उनमें दिख रहा है। उसको देखते हुए कहा जा सकता है, कि वह ज्यादा दिनों के मेहमान नहीं है। इस वार्ता के विफल होने से एक बार फिर दुनिया के देश, युद्ध के मुहाने पर खड़े हो गए हैं। ऊर्जा संकट और आयात-निर्यात व्यापार में बाधा बने हुये हैं। 100 से अधिक देशों पर इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। आशा की जा सकती है, जल्द से जल्द वैश्विक स्तर पर इस युद्ध को बंद कराने के लिए हर देश को हर संभव प्रयास करने होंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भविष्य में स्थिति बेहद चिंताजनक होगी।

समाजिक न्याय एवं समानता के पुरोधा पुरुष थे डा. अम्बेदकर साहिब

- मुस्ताअली बोहरा

भारत रत्न, बोधिसत्व, महान मर्मज्ञ, अर्थशास्त्री, संविधान शिल्पी, आधुनिक भारत की नींव रखने वाले, इतिहास के ज्ञाता, तत्वज्ञानी, मानव शास्त्र के ज्ञाता, कानूनविद, मानवाधिकार के संरक्षक, धर्म व दर्शन के विद्वान, पाली साहित्य के अध्ययनकर्ता, महान लेखक, समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ, संपादक, बौद्ध साहित्य के अध्ययनकर्ता, मजदूरों के मसीहा, इतिहासविद, प्रोफेसर, शिक्षाविद्, चिंतक, समाज सुधारक, पर्यावरणविद्, वक्ता, दार्शनिक, बहुभाषाविद्, संपादक, आजाद भारत के पहले कानून मंत्री बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. भीमराव आंबेडकर जिन्हें पूरी दुनिया प्यार और सम्मान के साथ बाबा साहब के नाम से पुकारती है। बाबा साहब, लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत और राष्ट्रीय प्रतीक या रोल मॉडल बन गए। डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन साहस, संघर्ष और सामाजिक बदलाव की मिसाल है। भीवा से डॉ भीमराव अंबेडकर बनने तक का सफर आसान नहीं था लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। जिस बच्चे को कभी स्कूल में कक्षा के भीतर बैठने तक नहीं दिया जाता था बाद में वही बच्चा देश का पहला कानून मंत्री बना। डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में स्थित महू नगर सैन्य छावनी में हुआ था। उनके बचपन का नाम भिवा था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई मुरबादकर की 14 वीं और अंतिम संतान थे। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के पिता ब्रिटिश सेना में सूबेदार थे। बाबा साहेब का परिवार कबीर पंथ को मानने वाला मराठी मूल का था और वो वर्तमान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आंबडवे गाँव के निवासी थे।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर एक शख्सियत.... ऐसा किरदार जिनके जीवन, उपलिब्ध, समाज में योगदान को आसानी से समझना हो तो कुछ इस तरह से समझा जा सकता है कि, जिनके पूर्वज कभी उन्हें क्लास रूम में अपने साथ नहीं बिठाते थे, जिनके साथ कभी पानी का जग साझा नहीं करते थे वही आज उनकी मूर्तियां बना रहें हैं। जो उच्च समाज उन्हें अछूत कहकर अपमानित करता था वही आज उनकी मूर्तियों पर पुष्पांजलि अर्पित करने को उतावला रहता है। उत्तर प्रदेश के योगी सरकार ने तो घोषणा की है कि इस साल बाबा साहब की हर प्रतिमा पर छत्र बनाया जाएगा, जिस पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा है उसका सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पूरे प्रदेश में सामाजिक न्याय के कार्यक्रम होंगे। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने भी घोषणा की है कि बाबा साहब की जयंती पर आधा सैक?ा से ज्यादा कैदियों को समयपूर्व रिहा किया जाएगा। यानि, हर कोई बाबा साहब का खैरख्वाह बनने की हो?

में है। खैर, बाबा साहब ने हर वर्ग और तबके की भलाई के लिए काम किया है। खासकर अपने समाज को ऊंचा उठाने, दलित समाज के लोगों की शिक्षा, उनके सामाजिक और आर्थिक विकास, समाज में उनके सम्मान और बराबरी के हक के लिए ताउम्र संघर्ष करते रहे। बाबा साहेब दलितों में चेतना जगाने में सफल रहे, दलितों के मन से हीन भावना निकालने में भी कामयाब रहे लेकिन सवर्ण समाज के लोगों के मन से श्रेष्ठ या बेहतर होने की मानसिकता को खत्म नहीं कर सके। सवर्ण समाज ने उनके बराबरी के सिद्धांत को नहीं स्वीकारा। बाबा साहब ने दलित और शोषित समाज के लिए संविधान में भी कई चीजों को शामिल किया, वे ये चाहते थे कि कानून को सहीं तरीके से लागू किया जाए ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके। इसी से पता चलता है कि बाबा साहब केवल अपने समाज या दलितों के लिए ही नहीं सोचते थे बल्कि सभी शोषित, मजलूम और कमजोर वर्ग के तबके के लिए उनकी चिंता थी। बाबा साहब ने तो सवर्ण महिलाओं के लिए भी चिंता जताई थी। ये भी विडम्बना ही है कि समाज का उच्च वर्ग बाबा साहब की नेक मंशा और उनके उसूलों को समझ नहीं पाया। इसके अलावा बाबा साहब ने जो अलख जगाई थी उसे दलित समाज का ही कोई अन्य नेता प्रज्वलित नहीं रख सका। समाज के अंदर की खेमेबाजी, राजनीतिक कूटचाल, भीतरी कलह, पदलोलूपता की वजह से दलित समाज को काशीराम के बाद कोई नेतृत्व नहीं मिल सका। काशीराम ने खासी मेहनत की और वे कुछ हद तक कामयाब रहे। एक ब? राजनीतिक मंच के तौर पर काशीराम ने राष्ट्रीय स्तर पर बहुजन समाज पार्टी को स्थापित किया। हालांकि, आरपीआई सहित लगभग सभी पार्टियाँ कुछ कामयाबी के बाद ही अपने रास्ते से भटक गईं और अपने मूल मकसद में कामयाब नहीं हो सकीं। एक खास बात और, दलित समाज में उंच-नींच का भेद पनपने लगा। इस समाज के जो लोग उच्च पदों पर आसीन हो गए उन्होंने अपने ही समाज के लोगों को आगे ब?ाने की बजाए उनसे ही भेदभाव शुरू कर दिया। उच्च शिक्षित या आर्थिक रूप से सम्पन्न लोग समाज के ही कमजोर लोगों को कमतर समझने लगे हैं। आज जरूरत इस बात की है कि सिर्फ बाबा साहब को ही नहीं मानें बल्कि बाबा साहब की भी मानें। जय भीम का नारा लगाकर हम खुद को उनका अनुयायी तो बता सकते हैं लेकिन बाबा साहब का सपना तो तभी साकार होगा जब हम उनके बताए रास्ते पर चलेंगे, हम उनके आर्दशों को आत्मसात करेंगे, हम कमजोर-शोषित-पीि?त और आर्थिक रूप से पिछ? तबके इस इस तबके के लोगों का हाथ पक?कर उसे सहारा देगें अन्यथा बाबा साहब की जयंती और महापरिनिर्वाण दिवस मनाकर ही इतिश्री हो जाएगी।

डॉ अंबेडकर के राष्ट्र प्रेम का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वो भारत को विभाजित नहीं देखना चाहते थे। भारत को दो हिस्सों में बांटने की अंग्रेजों की साजिश से वे नाराज थे। इतना ही नहीं महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना की भी आलोचना की। पाकिस्तान के विभाजन को लेकर 'थॉट्स ऑन पाकिस्तान' के नाम से किताब भी लिखी थी। बाबा साहब का नजरिया दूरंदेशी था। वे समग्र विकास को तरजीह देते थे। उन्होंने ही औद्योगीकरण और कृषि निवेश की वकालत की। अल्प आय वर्ग के लिए आयकर का विरोध किया और भूमि सुधारों का समर्थन किया। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक अधिकारों की की भी वकालत की।

बाबा साहब का मानना था कि धर्म मनुष्य के लिए है। अम्बेडकर ने कहा कि ऐसे धर्म का कोई मतलब नहीं जिसमें मनुष्यता का कुछ भी मूल्य नहीं। आम्बेडकर जी ऐसे धर्म को चुनना चाहते थे जिसका केन्द्र मनुष्य और नैतिकता हो, उसमें स्वतंत्रता, समता तथा बंधुत्व हो। भीमराव आंबेडकर ने 13 अक्टूबर 1935 को नासिक के निकट येवला में एक सम्मेलन में धर्म परिवर्तन करने की घोषणा की। उन्होंने कहा था, हालांकि मैं एक अछूत हिन्दू के रूप में पैदा हुआ हूं, लेकिन मैं एक हिन्दू के रूप में हरगिज नहीं मरूंगा। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से भी हिंदू धर्म छो?कर कोई और धर्म अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने धर्म परिवर्तन की घोषणा करने के बाद 21 साल तक विश्व के सभी प्रमुख धर्मों का गहन अध्ययन किया। अम्बेडकर बौद्ध धर्म को पसन्द करते थे क्योंकि उसमें तीन सिद्धांतों का समन्वित रूप मिलता है जो किसी अन्य धर्म में नहीं मिलता। बौद्ध धर्म प्रज्ञा (अंधविश्वास तथा अति प्रकृतिवाद के स्थान पर बुद्धि का प्रयोग), करुणा (प्रेम) और समता (समानता) की शिक्षा देता है। उनका कहना था कि मनुष्य इन्हीं बातों को शुभ तथा आनंदित जीवन के लिए चाहता है। उनके अंतिम प्रसिद्ध ग्रंथ द बुद्ध एंड हिज धम्म की प्रस्तावना में उन्होंने लिखा हैं कि मैं बुद्ध के धम्म को सबसे अच्छा मानता हूं।

बैसाखी पंजाब का प्रसिद्ध त्यौहार एवं खालसा पंथ की स्थापना

- डॉ. श्रीगोपाल नारसन

बैसाखी सिखों का पवित्र त्योहार है।सन1699 में इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस पंथ की स्थापना का लक्ष्य धर्म और नेकी के रास्ते पर चलना और उसका पालन करना है। किसान अपनी फसल काटने की खुशी में यह त्योहार मनाते हैं , पंजाब में इस दिन गिद्दा-भांग?ा किया जाता है। इस दिन को सिक्खों के नए साल के रूप में भी मनाये जाने की भी परंपरा है।बैसाखी, जिसे मेष संक्रांति भी कहा जाता है,भारतीय भारतीय समाज की संस्कृति और परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह दिन न केवल कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि सिखों के लिए एक ऐतिहासिक और धार्मिक दिवस है। इस दिन का उत्सव कृषि, समाज, और धर्म के संगम का प्रतीक है, जहां लोग खुशी और समृद्धि की कामना करते हैं और सामाजिक एकता को बढ़ावा देते हैं। बैसाखी का पर्व भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को प्रदर्शित करने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस साल यह पर्व 13 अप्रैल, को मनाया जा रहा है। इस दिन की महत्ता कृषि क्षेत्र में काम करने वाले किसानों के लिए बहुत अधिक है, क्योंकि यह नई फसल की बुवाई और कटाई का समय होता है। यह दिन खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है।बैसाखी पर सिख धर्मावलंबी गुरुद्वारों में विशेष पूजा और अरदास करते हैं। इस दिन विशेष रूप से गुरुद्वारों में भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है और नगर कीर्तन की परंपरा निभाई जाती है। लोग इस दिन को अपने पवित्र कर्तव्यों को याद करने, गुरु के बताए मार्ग पर चलने और धर्म के प्रति अपनी आस्था को और गहरा

करने का अवसर मानते हैं। बैसाखी का पर्व सिख धर्म के लिए एक समय होता है जब वे अपने गुरु की शिक्षा और खालसा पंथ के महत्व को मानते हुए एकजुट होते हैं और समाज में शांति, भाईचारे और समानता का प्रचार करते हैं।

बैसाखी रबी की फसल उत्सव है, जिसका कृषि महत्व के साथ-साथ धार्मिक महत्व भी है। यह त्योहार भगवान इंद्र की पूजा से जुड़ा है, जिन्हें बारिश और उर्वरता का देवता माना जाता है। इस दिन, किसान अपनी भरपूर फसल के लिए भगवान इंद्र को धन्यवाद देते हैं और अपनी भविष्य की फसलों के लिए अच्छी बारिश की प्रार्थना करते हैं। बैशाखी के दिन की शुरुआत गंगा नदी या अन्य पवित्र नदियों में पवित्र डुबकी लगाने से होती है, इसके बाद गुरुद्वारों में जाकर प्रार्थना की जाती,मत्था टेका जाता है। लोग नए कपड़े पहनते हैं और अपने प्रियजनों के साथ मिठाइयाँ और उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं।बैसाखी के मुख्य अनुष्ठानों में से भांगड़ा और गिद्दा का प्रदर्शन भी है, जो पारंपरिक पंजाबी नृत्य हैं। जिसके माध्यम से फसल के मौसम की खुशी और उत्सव को दर्शाते हैं। इस अवसर पर लोग विशेष व्यंजन भी तैयार करते हैं जैसे लंगर, गुरुद्वारों में परोसा जाने वाला सामुदायिक भोजन, और खीर, ताजा गुड़ से बना मीठा चावल का हलवा बनाया जाता है।बैसाखी सिर्फ एक त्योहार नहीं है; बल्कि यह लोगों के जीवन में खुशियों का प्रतीक है। यह सिख धर्म मे नए साल की शुरुआत का प्रतीक है और एक नए कृषि मौसम की शुरुआत का भी प्रतिनिधित्व करता है। यह त्योहार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सन 1699 में गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ के गठन की याद दिलाता है। इसलिए, बैसाखी को खुशी, आशा और नई शुरुआत के दिन के रूप में मनाया जाता है।बैसाखी पर्व, जो व्यक्तियों को अपनी यात्रा पर विचार करने, नकारात्मकता को त्यागने और सकारात्मकता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।बैसाखी भरपूर फसल के लिए कृतज्ञता की भावना, समुदाय की भावना को बढ़ावा देने और लोगों के बीच खुशियों को साझा करने की भावना का प्रतीक है। यह श्रम के फल का आनंद लेने, ढोल की थाप पर नृत्य करने और शानदार पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेने का समय है।एक बार 10वें सिख गुरु ने पूछा कि हजारों की भीड़ में कौन धर्म के लिए मरने को तैयार है। आख़िरकार पाँच लोग स्वेच्छा से आगे आए और गुरु गोबिंद सिंह ने उन्हें बपतिस्मा दिया, जिसके बाद वे खालसा समूह के पहले पाँच सदस्य यानि पंच प्यारे बन गए।

आशा भौंसले: जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

आशा भोसले- सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान (लेखक- डॉ. हिदायत अहमद खान / ईएमएस)

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज़ ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी। सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत चला चला नव बाल गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरुआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत

की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, ग़ज़ल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। **दम मारो दम** और **पिया तू अब तो आजा** जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी। अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दर्शाता है। यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

जागत जोत श्री गुरू ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल विस में सर्वसम्मति से पारित

बेअदबी के मामलों में तेजी से जांच, दोषियों को कोई जमानत नहीं-सीएम भगवंत मान

चंडीगढ़, 13 अप्रैल (निस)मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब विधानसभा ने श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी के सत्कार के लिए आज सर्वसम्मति से 'जागत जोत श्री गुरू ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल, 2026' पास कर दिया, जिससे गुरू साहिब की बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। इस निर्णायक कदम के तहत भगवंत मान सरकार ने बेअदबी के लिए उम्र कैद की सजा का प्रावधान किया है, जिससे बेअदबी से निपटने के लिए देश के सबसे सख्त कानूनों में से एक बनाया गया है। इस कानून को पिछली सरकारों की नाकामियों में ऐतिहासिक सुधार करार देते हुए मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि नया कानून

पिछली सरकारों की कमियों को दूर करने के साथ-साथ तेजी से जांच सुनिश्चित बनाता है, अपराधों को गैर-जमानती बनाता है और 5 साल से लेकर उम्र कैद तक सख्त सजाओं के साथ-साथ 20 लाख रुपए तक के जुर्माने की व्यवस्था करता है, जबकि बेअदबी में सहायता करने वालों को भी बराबर जवाबदेह बनाता है।

पिछली सरकारों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि जहां अकाली-भाजपा और कांग्रेस गुरू साहिब के नाम पर वोट मांगते थे, वहीं यह 'आप' सरकार है, जिसने श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता को बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए हैं और यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी दोबारा ऐसे अपराध करने की हिम्मत न करे। बहस में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं इस अजीम सदन को भरोसा दिलाता हूं कि यह बिल भविष्य में बेअदबी के अंत को दर्शाता है क्योंकि यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी ऐसे घिनौने अपराध में शामिल होने की हिम्मत नहीं करेगा।मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले समय में श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घिनौनी कार्रवाइयों राज्य में सख्त मेहनत से बनाई शांति, सद्भावना, भाईचारा और फिर्कू सद्भावना को भंग करने की गहरी साजिश थी। ऐसा 'अमानवीय और घिनौना कार्य' मानवता के खिलाफ पाप था, जो मुट्ठी भर समाज विरोधी तत्वों द्वारा किया गया था, जो राज्य में शांति, सद्भावना, भाईचारा और सांप्रदायिक सद्भावना को भंग करने के लिए तैयार थे। यह कानून सुनिश्चित करेगा कि इस न माफ करने योग्य अपराध में दोषी पाए जाने वाले किसी भी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

2029 से लागू होगा महिला आरक्षण 21वीं सदी का सबसे बड़ा फैसला-पीएम

दिल्ली में आयोजित नारी शक्ति वंदना सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने कहा महिलाओं को हर अधिकार मिलेगा

नई दिल्ली 13 अप्रैल (निस)प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक की दहलीज पर है क्योंकि संसद उस समय %%नया इतिहास%% रचेगी जब 2029 से महिला आरक्षण अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए, इस सप्ताह इसमें संशोधन किया जाएगा। मोदी ने 16 अप्रैल से शुरू हो रहे संसद के तीन दिवसीय सत्र से पहले यहां आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में कहा कि इस कानून के लागू होने से अतीत की परिकल्पनाएं साकार होंगी और भविष्य के संकल्प पूरे होंगे। उन्होंने शासन में महिलाओं के योगदान की सराहना की और जोर दिया कि उनमें से कई बड़ी भूमिकाओं के लिए तैयार और उत्सुक हैं।

मोदी ने सम्मेलन में कहा, %%हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। ऐसा नया इतिहास, जो अतीत की परिकल्पनाओं को साकार करेगा और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। यह ऐसे भारत का संकल्प है, जो समतावादी हो, जिसमें सामाजिक न्याय केवल नारा न होकर हमारी कार्य संस्कृति और निर्णय प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हो। उन्होंने यह भी कहा कि जब 2023 में यह कानून पेश किया गया था तब इसे सभी दलों की सर्वसम्मति से पारित किया गया था और इसे 2029 तक लागू करने की विशेष रूप से विपक्ष की ओर से सामूहिक मांग उठी थी।प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों की विधानसभाओं से लेकर देश की संसद तक, दशकों के इंतजार को समाप्त करने का समय 16, 17 और 18 अप्रैल है, जब संशोधनों पर विचार करने और उन्हें पारित करने के लिए विस्तारित बजट सत्र निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा, 2023 में नयी संसद में हमने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में पहला कदम उठाया था...हमारे राष्ट्र की विकास यात्रा में इन महत्वपूर्ण पड़ावों के बीच, भारत 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक निर्णय लेने की दहलीज पर खड़ा है। मोदी ने कहा, मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि यह फैसला हमारे समय के सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक होगा। यह फैसला महिला सशक्तिकरण को समर्पित होगा और नारी शक्ति एवं नारी सम्मान के प्रति सच्चे आदर का प्रतीक होगा। संसद ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण कानून के नाम से जाना जाता है। यह लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को आगे बढ़ाएगा।

सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर श्रमिक का प्रदर्शन हिंसक हुआ

नोएडा, 13 अप्रैल (निस) सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आंदोलन सोमवार सुबह अचानक हिंसक हो गया। मदरसन समेत छह कंपनियों के श्रमिक पिछले तीन दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन मांगों पर सुनवाई न होने से आक्रोश बढ़ता गया और हालात बिगड़ गए। नाराज प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों में आग लगा दी, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शन के चलते सड़क पर लंबा जाम लग गया और यातायात प्रभावित हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह घटना नोएडा फेस-2 क्षेत्र की है, जहां सुबह करीब 200 से अधिक कर्मचारी सड़कों पर उतर आए और पथराव शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों और बसों में आग लगा दी, जिसमें करीब 10 गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। स्थिति को नियंत्रित करने पहुंची पुलिस टीम पर भी कर्मचारियों ने हमला कर दिया।

इस दौरान पुलिस की एक गाड़ी को पलट दिया गया और उसमें रखे सामान को बाहर फेंक दिया गया। मदरसन कंपनी के बाहर शुरू हुआ यह प्रदर्शन धीरे-धीरे हिंसक रूप लेता गया। कर्मचारियों ने कंपनी परिसर के अंदर भी पत्थर फेंके। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की।

अंतिम यात्रा में फिल्म जगत की दिग्गज हस्तियां भी शामिल हुईं

महान गायिका आशा भौंसले राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन

मुम्बई 13 अप्रैल (निस) भारतीय संगीत जगत के एक स्वर्णिम युग का आज अंत हो गया। अपनी जादुई आवाज से सात दशकों तक दुनिया को मंत्रमुग्ध करने वाली आशा भोसले की अंतिम यात्रा आज मुंबई में निकाली जा रही है। तिरंगे में लिपटी उनकी देह और सफेद फूलों से सजी उनकी अंतिम विदाई की तस्वीरें हर भारतीय की आंखों को नम कर रही हैं।

सितारों से लेकर आम प्रशंसकों तक की उमड़ी भीड़-आशा जी के निवास स्थान पर सुबह से ही उनके अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। खेल जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर, जो आशा जी को अपनी मां समान मानते थे श्रद्धांजलि देते समय अपने आंसू नहीं रोक पाए। उनके अलावा अभिनेत्री तबू और आशा पारेख समेत फिल्म जगत की तमाम बड़ी हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचीं।

हर पीढ़ी की आवाज थी आशा ताई-आशा भोसले का जाना केवल संगीत जगत की क्षति नहीं है बल्कि करोड़ों लोगों के लिए एक व्यक्तिगत दुख है। उन्होंने हर दौर के साथ खुद को ढाला। क्लासिकल गानों से लेकर फुट-टैपिंग पॉप और कैबरे तक उन्होंने हर विधा में महारत हासिल की। हमें सिखाता है कि समय के साथ खुद को बदलना ही असली सफलता है। उन्होंने नए दौर के संगीतकारों के साथ भी उतनी ही सहजता से काम किया जितना पुराने दिग्गजों के साथ। मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

देश के सबसे भ्रष्ट सीएम हिमंता..पूरी पार्टी पवन खेड़ा के साथ, हम डरने वाले नहीं-राहुल गांधी

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (निस) कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा पर कई पासपोर्ट रखने के आरोपों के बीच पवन खेड़ा का समर्थन करती है। सोशल मीडिया पोस्ट में राहुल गांधी ने सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताकर कांग्रेस के आरोपों की जांच की मांग की। उन्होंने लिखा

कि असम के वर्तमान मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। वे कानून से नहीं बचने वाले है। अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करना संविधान के खिलाफ है। पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का शासन हमारे संवैधानिक मूल्यों का आधार हैं। कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। ये टिप्पणियां असम पुलिस द्वारा तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के बाद आईं, जिसमें कांग्रेस नेता खेड़ा को 10 अप्रैल से एक सप्ताह के लिए कुछ शर्तों के साथ पारगमन जमानत मिली थी। खेड़ा को उचित कानूनी राहत पाने के लिए असम की सक्षम न्यायालय में जाना होगा।

महिला आरक्षण बिल पर खड़गे के बयान की केन्द्रीय मंत्री प्रधान ने निन्दा की

नई दिल्ली 13 अप्रैल (निस) महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लेकर कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने हैं। कांग्रेस जहां राजनीतिक फायदे का आरोप लगा रही है तो वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण का मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाएं केवल वादों की नहीं, बल्कि ठोस नतीजों की हकदार हैं। अगर कांग्रेस सच में महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति समर्पित है तो अब इसे साबित करने का यही सही मौका है। महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस केंद्र सरकार पर सवाल खड़े कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, सरकार महिला आरक्षण को 2029 के चुनावों से लागू करना चाहती है। इसी कड़ी में मोदी सरकार संसद की बैठक अपने राजनीतिक फायदे की मंशा से बुला रही है। उनके इस आरोप पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में खरगे को टैग करते हुए लिखा, मल्लिकार्जुन खरगे जी, महिलाओं के लिए आरक्षण राजनीतिक श्रेय लेने के बारे में नहीं है।

प्रदेश में गुरु परंपरा एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ाया जा रहा-सैनी

चंडीगढ़, 13 अप्रैल (निस) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश व प्रदेश की सरकार गुरु साहिबानों के सिद्धांतों एवं शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही हैं। ऐसा करके गुरु परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन को आगे बढ़ाया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सोमवार को कुरुक्षेत्र के केडीबी मेला ग्राउंड में कला एवं सांस्कृतिक विभाग एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित बैसाखी महोत्सव 2026 के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिख इतिहास पर आधारित व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं की प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने महिला व पुरुषों की दंगल प्रतियोगिता को शुरू करवाया और पतंग उड़ाकर अंतरराष्ट्रीय पतंग प्रतियोगिता का भी शुभारंभ किया। इसके साथ ही हरियाणवी संस्कृति पर आधारित हरियाणा विरासत पवेलियन का निरीक्षण किया।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस मौके पर सबको बैसाखी के पावन पर्व की बधाई दी। इसके साथ ही खालसा पंथ के स्थापना दिवस पर महान गुरुओं के चरणों में नमन किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज को सिख संगत की तरफ से कृपाण, सरोपा तथा खंडा साहिब का स्मृत्ति चिन्ह भेंट कर सम्मानित

किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत एक नए युग की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें गुरु साहिबान की शिक्षाओं, एकता, समर्पण, सेवा और परिश्रम को अपने जीवन में अपनाना होगा। हम सभी को मिलकर ऐसा समाज बनाना होगा, जहां सभी को समान अवसर मिले, जहां कोई भेदभाव न हो और जहां हर व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार हो। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों का उद्देश्य केवल विकास करना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े रहना, अपनी संस्कृति को संजोना और आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है। जब हम अपने अतीत से प्रेरणा लेते हैं, तभी हम एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की इस कर्मभूमि पर बैसाखी के पावन पर्व पर आप सबके बीच आकर बड़ी खुशी हो रही है। यह वह धरा है, जो धर्म और कर्म की धरती के रूप में जानी जाती है। बैसाखी का पर्व हमें प्रकृति के साथ जुडने, श्रम के सम्मान को समझने और समृद्धि का उत्सव मनाने की प्रेरणा देता है। जब खेतों में लहराती फसलें पककर तैयार होती हैं, तो किसान का हृदय गर्व और आनंद से भर उठता है। और उसी खुशी को हम सब मिलकर बैसाखी के रूप में मनाते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि बैसाखी का यह पावन दिन हमारे इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय भी समेटे हुए है। वर्ष 1699 में इसी दिन आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर दशम पातशाह सरबंसदानी श्रीगुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उस समय देश में अन्याय, अत्याचार और अधर्म अपने चरम पर था। ऐसे कठिन समय में गुरु साहिब ने खालसा पंथ की स्थापना करके समाज को एक नई दिशा दी। एक ऐसी दिशा, जिसमें साहस, समानता, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना थी।

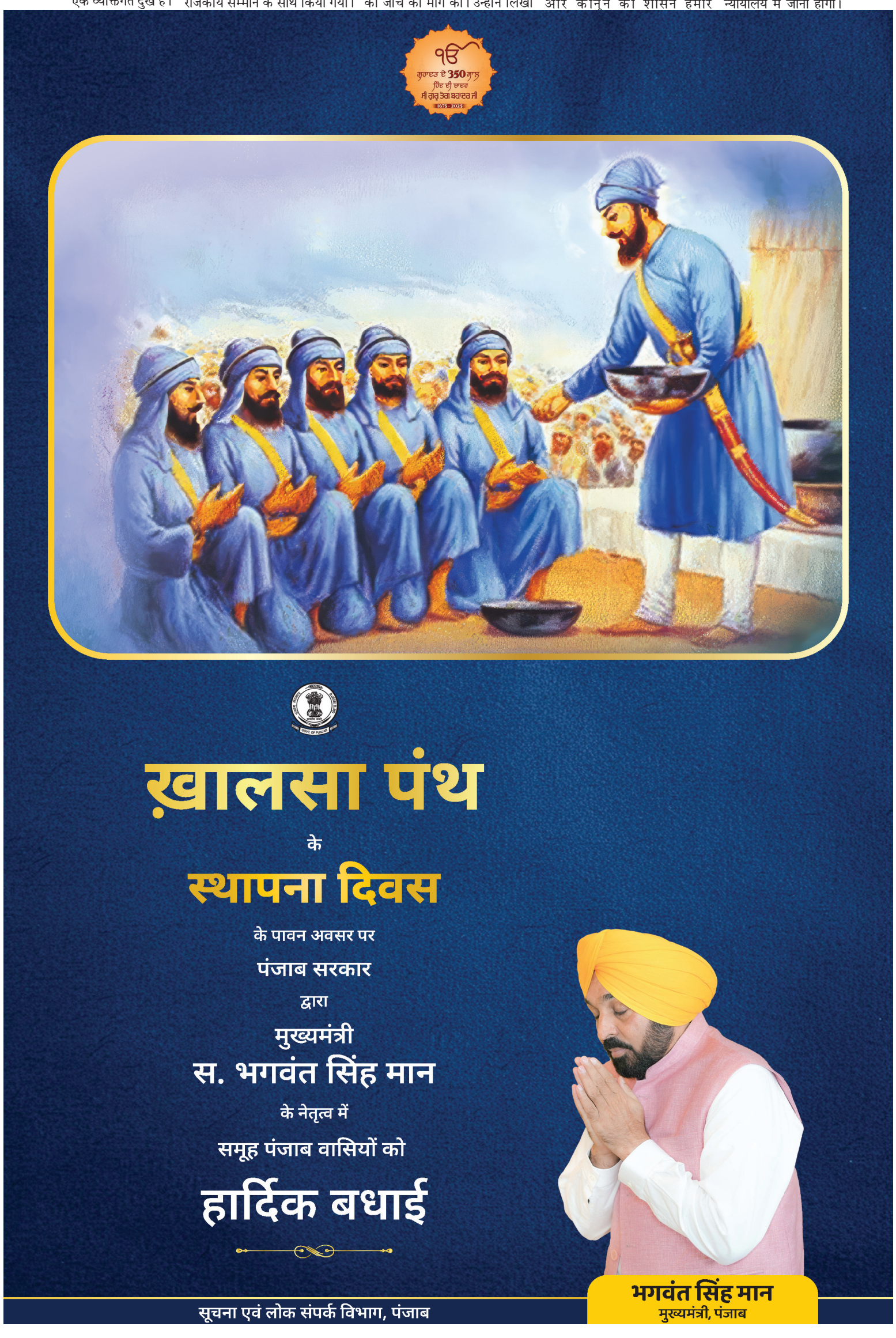

बसतली झाल की बुझती रौनक : जहां कभी ठहरता था कारवां, आज पसरा सन्नाटा और बदहाली की तस्वीर

आरओ जैसे मीठे पानी वाला नलका हुआ बंद, नहर का ठंडा झरना बना कूड़ाघर, प्रशासन की अनदेखी से उजड़ गया कभी का जीवंत पड़ाव

निसिंग, 13 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : क्षेत्र के गांव बसतली झाल की पहचान कभी राहगीरों और ग्रामीणों के लिए एक सुकून भरे पड़ाव के रूप में होती थी। यहां दिनभर वाहनों का आना-जाना लगा रहता था, बसें रुकती थीं, लोग छांव में बैठकर आराम करते थे और नलके से निकलने वाला मीठा, ठंडा पानी पीकर अपनी प्यास बुझाते थे। लेकिन आज वही बसतली झाल वीरान और बदहाल नजर आ रहा है, जहां कभी जीवन की चहल-पहल थी, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ है।

एक समय ऐसा भी था जब इस स्थान पर लगा नलका अपनी गुणवत्ता के कारण दूर-दूर तक मशहूर था। स्थानीय लोग बताते हैं कि नलके का पानी इतना साफ और स्वादिष्ट था कि लोग इसे आरओ जैसा पानी कहकर पुकारते थे। गर्मी के दिनों में तो यहां विशेष रूप से भीड़ उमड़ती थी। राहगीर, किसान और बसों के यात्री यहां रुककर पानी पीते और कुछ पल सुकून के बिताते थे। केवल पानी ही नहीं, बल्कि बसतली झाल के नीचे बहने वाली नहर भी लोगों के आकर्षण का केंद्र थी। अप्रैल और मई की तपती गर्मी में आसपास के गांवों के युवा इस नहर में नहाने के लिए पहुंचते थे। ठंडा और साफ बहता पानी किसी प्राकृतिक झरने जैसा अनुभव देता था। बच्चों की किलकारियां, युवाओं की मस्ती और लोगों की आवाजाही इस स्थान को जीवंत बनाए रखती थी, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। नलका लंबे समय से बंद पड़ा है, उसकी देखरेख न होने के कारण जंग लग चुका है और आसपास झाड़ियां उग आई हैं। जो स्थान कभी साफ-सुथरा और आकर्षक था, वहां अब गंदगी का ढेर लगा हुआ है। नहर के नीचे कचरा जमा हो गया है, पानी गंदा और बदबूदार हो चुका है, जिससे वहां रुकना भी मुश्किल हो गया है। वहीं, झाल के पास बनी अस्थायी संरचनाएं भी अब टूट-फूट कर खंडहर में तब्दील हो चुकी हैं। बांस और लकड़ी से बना ढांचा बिखर चुका है, ईंटें इधर-उधर पड़ी हैं और यह सब मिलकर इस स्थान की बदहाली की कहानी बयां कर रहे हैं। पहले जहां बसों के रुकने से हलचल रहती थी, अब वहां से वाहन बिना रुके ही गुजर जाते हैं।

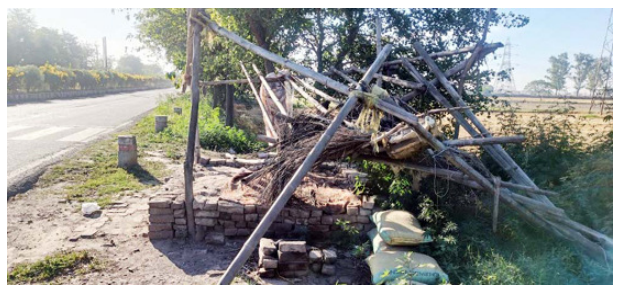

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति प्रशासन की अनदेखी का परिणाम है। यदि समय-समय पर सफाई, मरम्मत और रखरखाव किया जाता तो यह स्थान आज भी लोगों के लिए उपयोगी और आकर्षक बना रह सकता था। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कई बार संबंधित विभाग को इस बारे में अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

पर्यावरण पर भी असर

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की लापरवाही न केवल सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी नुकसानदायक होती है। नहर में जमा कचरा जल प्रदूषण को बढ़ावा देता है और आसपास के क्षेत्र की स्वच्छता को भी प्रभावित करता है।

लोगों की मांग और उम्मीद

ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि बसतली झाल की तुरंत सफाई करवाई जाए, नलके को दुरुस्त कर दोबारा चालू किया जाए और इस स्थान को एक व्यवस्थित विश्राम स्थल के रूप में विकसित किया जाए। लोगों का मानना है कि यदि थोड़ी सी कोशिश की जाए तो यह स्थान फिर से अपनी पुरानी पहचान और रौनक वापस पा सकता है।

अवैध कॉलोनियों पर नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करें अधिकारी : डीसी अपराजिता

कैथल, 13 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें डीटीपी कार्यालय सहित संबंधित अधिकारियों के साथ अवैध कॉलोनियों और निर्माणों के खिलाफ चल रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। उन्होंने अवैध निर्माणों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित के निर्देश दिए। डीसी अपराजिता ने जिला नगर योजनाकार को निर्देश दिए कि अवैध कॉलोनियों पर नियमित रूप से कार्रवाई की जाए और किसी भी प्रकार की अवैध प्लाटिंग या निर्माण को सख्ती से रोका जाए। प्रशासन की कार्रवाई लगातार और प्रभावी होनी चाहिए, ताकि लोगों नियमों की अवहेलना करना छोड़ दें और जिले में सुनियोजित विकास को बढ़ावा मिल सके। डीटीपी प्रवीन कुमार ने बताया कि हाल ही में उन्होंने करनाल रोड पर अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की थी। शुगर मिल के पास स्थित एक कॉलोनी में भी कई बार कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन कुछ स्थानों पर लोग दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर देते हैं।

इसी प्रकार पूंडरी, ढांड व कैथल क्षेत्र में नई अवैध कॉलोनियों की पहचान की गई है, जिन्हें नोटिस जारी कर दिए गए हैं और आगामी दिनों में इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीसी अपराजिता ने पुलिस व डीटीपी को निर्देश दिए कि एफआईआर के बाद चार्जशीट दाखिल करने की प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी जाए और लंबित मामलों की रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत की जाए। डीसी अपराजिता ने कहा कि अवैध निर्माणों को रोकने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे किए गए अवैध निर्माणों पर विशेष अभियान चलाने और संबंधित विभागों के साथ मिलकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी एसडीएम से उनके क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीएसपी गुरविंद्र सिंह, डीटीपी प्रवीन कुमार, एआईपीआरओ अमित कौशिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सामाजिक न्याय, समानता को समर्पित रहा बाबा साहब का जीवन : डॉ अरविंद शर्मा

प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री सैनी द्वारा चलाई जा रही योजनाएं गरीबों के उत्थान को सुनिश्चित कर रही, कैबिनेट मंत्री ने फव्वारा चौक पर प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

गोहाना, 13 अप्रैल (ब्यूरो) : भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गोहाना के फव्वारा चौक पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ बाबा साहब को नमन करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के महत्व का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सरकार बाबा साहब के विचारों को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे गरीबों के लिए आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, जो बाबा साहब के सबका साथ, सबका विकास के सपने को साकार कर रही हैं। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार भी सामाजिक समरसता और समान अवसर के सिद्धांत पर कार्य करते हुए अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है।

शिक्षा, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास समाज में समानता को मजबूत कर रहे हैं। डॉ. शर्मा ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में भाईचारे और एकता को बढ़ावा दें तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं। इस अवसर पर गोहाना भाजपा जिला प्रभारी डॉ किरण कलकल, नगर परिषद चेयरपर्सन रजनी विरमानी, जिला महामंत्री महेन्द्र चिड़ाना, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रीना शर्मा, डॉ रामेहर राठी, भूपेंद्र मुदगिल, राजेश भावड, राजू पटवा, डॉ ओमप्रकाश शर्मा, डॉ रमेश कश्यप, अरुण बड़ौक, संदीप सैनी, सुमित कक्कड़, शीतल आर्य, डॉ निशा सांगवान, कुलदीप कौशिक, मोनू पांचाल आदि उपस्थित रहे।

गुरु जी की फौज हमेशा दीन हीन की रक्षा के लिए तत्पर रहती है : डा. चूहड़ सिंह

खालसा साजना दिवस पर गुरु नानक खालसा कालेज में मनाया गया वैसाखी का पर्व धूमधाम से, विद्यार्थियों ने कडाह प्रसाद एवं दूध की छबील लगाकर दिया सेवा का संदेश

करनाल, 13 अप्रैल (संदीप रोहिला) : गुरु नानक खालसा कालेज में खालसा साजना दिवस पर वैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया। कालेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस के कुशल नेतृत्व, निर्देशन एवं मार्गदर्शन में प्राचार्य डा. चूहड़ सिंह, स्टॉफ व विद्यार्थियों ने कालेज के द्वार पर भव्य शामियाना लगा कर कडाह प्रसाद एवं गर्म दूध की छबील लगाई। इस मौके पर कालेज प्रबंधन समिति के महासचिव सरदार सुरिंद्रपाल सिंह पसरीचा ने सेवाएं दी। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह महाराज द्वारा 13 अप्रैल 1699 को वैसाखी पर्व पर खालसा पंथ की स्थापना की गई थी। आज 327 वर्ष बाद भी गुरु महाराज द्वारा प्रदान की गई सेवाओं और शिक्षाओं के कारण आज भी साध संगत समर्पण, निष्ठा, साहस, शौर्य और त्याग के माध्यम से लोगों को जागरूक कर आपसी भाईचारे का संदेश देती है। उन्होंने बताया कि आज अमेरिका ईरान युद्ध में गुरु की फौज लेबनान में भी पहुंच कर लंगर सेवा बरता रही है। कालेज के प्राचार्य डा. चूहड़ सिंह ने बताया कि सवा लाख से एक लड़ाऊं तभी गोविंद सिंह नाम कहाऊं को चरितार्थ करते हुए कालेज के समस्त स्टॉफ और विद्यार्थी वैसाखी पर्व पर सेवा, सदभावना एवं सहयोग का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कालेज के विद्यार्थियों में समाजिकता, परोपकार, सदभावना को जागरूक करने तथा अपने बलिदानी एवं वीरतापूर्वक इतिहास श्रद्धांजलि देते हुए यह पर्व उल्लासपूर्वक मनाया जा रहा है। प्राचार्य ने कहा कि गुरु जी की फौज हमेशा दीन हीन की रक्षा के लिए तत्पर रहती है। कालेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस ने स्वयं छबील में आकर सेवा की और गुरु महाराज के दिखाए मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

इस अवसर पर डा. देवी भूषण, डा. जुझार सिंह, डा. कृष्ण अरोड़ा, डा. जतिंद्र पाल सिंह, गुरपाल सिंह, डा. अमरजीत, डा. रमन भट्टी, प्रो. अंजु चौधरी, प्रो. अनिल कुमार सिंह, डा. दीपक, डा. भावना शर्मा, डा. बीर सिंह, स्टॉफ व बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन पदयात्रा में उत्साहपूर्वक लें भाग : मेयर

15 अप्रैल को करनाल में होगा लोकसभास्तरीय आयोजन

करनाल, 13 अप्रैल (संदीप रोहिला) : करनाल की मेयर रेणु बाला गुप्ता ने नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत 15 अप्रैल को करनाल लोकसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाली पदयात्रा में अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने इस अभियान को महिला सशक्तिकरण, समान भागीदारी और सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। मेयर रेणु बाला गुप्ता ने बताया कि 15 अप्रैल को करनाल में लोकसभा स्तरीय नारी शक्ति पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो रघुनाथ नगर से प्रारंभ होकर सदर बाजार होते हुए कर्ण गेट तक पहुंचेगी। इसके साथ ही माया गार्डन में सभा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पदयात्रा महिलाओं की सहभागिता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सामाजिक पहल के रूप में आयोजित की जा रही है। मेयर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अभियान महिलाओं को उनके अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम है। महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना देश के लिए एक ऐतिहासिक घटना है, जिससे महिलाओं की भागीदारी को नई दिशा मिलेगी। 15 अप्रैल को करनाल लोकसभा क्षेत्र में आयोजित पदयात्रा के माध्यम से महिलाएं एकजुट होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगी और समाज में सकारात्मक संदेश देंगी। सभी महिलाओं और नागरिकों से इस पदयात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान है। साथ ही यह

अवसर है कि हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना आभार व्यक्त करें। उन्होंने बताया कि विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को जोड़ने, सभाएं आयोजित करने और जन-जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान महिला आरक्षण से जुड़े विषयों तथा महिला-केंद्रित पहलों के प्रति समर्थन भी व्यक्त किया जाएगा। इस अवसर पर नगर विधायक जगमोहन आनंद एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि कविंद्र राणा ने भी सभी से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। पार्षदों, प्रतिनिधियों, महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पदयात्रा को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

असंध, बल्ला, सालवन, मूनक में पोर्टल बंद होने पर किसानों ने लगाया जाम

असंध, 13 अप्रैल (दलसिह मान) : असंध, बल्ला, सालवन, मूनक अनाज मंडी में गेहूं खरीद के लिए ई खरीद पोर्टल बंद होने पर किसानों ने असंध-कोहड मार्ग पर जाम लगा दिया। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार पोर्टल और बायोमेट्रिक सिस्टम के नाम पर किसानों को परेशान कर रही है। उनकी समस्याओं की कोई सुनवाई नहीं हो रही है जिसके कारण उन्हें मजबूरन सड़क पर उतरना पड़ा है। जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारे लग गई। किसानों ने बताया कि वह लगातार सरकार को बायोमेट्रिक सिस्टम और ऑनलाइन पोर्टल में आने वाली समस्याओं के बारे में बार-बार आगाह कर रहे थे, लेकिन सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। जिसके चलते किसान घंटा लाइन में लगने के बाद परेशान होकर सड़कों पर आ रहे हैं। पोर्टल बंद होने से सालवन, बल्ला, मुनक गांव में भी किसानों ने रोड पर जाम लगा दिया। किसानों ने नई खरीद नीतियों को किसान विरोधी बताते हुए पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। किसानों का आरोप है की फसल कटाई के बीच पोर्टल बंद होने से उन्हें भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर, 13 अप्रैल (दिनेश कुमार) : महिला थाना पुलिस टीम ने नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रभारी शिलावंती ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना सदर यमुनानगर की रहने वाली एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिक लड़की को नशीला पदार्थ देकर होटल में गलत काम किया है। इस शिकायत पर पॉस्को सहित विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए उप निरीक्षक सुषमा रानी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने गांव दराजपुर निवासी अभिषेक उर्फ शेखू पुत्र निर्मल सिंह को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान पीड़िता ने बताया कि आरोपी गांव धौडग निवासी शशि कुमार पुत्र महेंद्र सिंह ने भी करीब 1 साल पहले उसके साथ गलत काम किया था। पुलिस टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए आरोपी शशि कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मोबाइल छीनने के आरोप में एक आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर, 13 अप्रैल (दिनेश कुमार) : थाना सदर यमुनानगर पुलिस टीम ने मोबाइल छीनने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है। आरोपी से छीना हुआ मोबाइल बरामद किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रबंधक कमलजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि चन्दन कुमार पुत्र बलेश्वर वासी गांव छपिया जिला छपरा बिहार हाल निवासी रायेपुर कामी माजरा ने शिकायत दर्जकार्रवाई कि दिनाँक 12 अप्रैल को वह फैक्टरी से छुट्टी करके कामी माजरा चौक पर जा रहा था तो तभी अचानक पिछे से एक लडका आया और उसने उसके हाथ से मोबाईल फोन छिनकर भाग गया। इस शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मुख्य सिपाही रमनदीप सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए आरोपी को छीने हुए मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान इसरार पुत्र सलाहुदीन वासी खड्डा कालौनी पुराना हमीदा के रूप में हुई। आरोपी से छीना हुआ मोबाइल बरामद किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

शहीद रसवीर सिंह हाई स्कूल सिसर में हवन यज्ञ का भव्य आयोजन

नरवाना, 13 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : गांव सिसर स्थित शहीद रसवीर सिंह हाई स्कूल में आज आध्यात्मिक और प्रेरणादायक वातावरण के बीच हवन यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लेते हुए विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य और अपने जीवन की सफलता के लिए प्रार्थना की ।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विद्यालय में अधिक से अधिक प्रवेश के लिए भी विशेष प्रार्थना की और गांव में जागरूकता का संदेश दिया। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देना और अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ना रहा ।हवन यज्ञ में विद्यालय स्टाफ और गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य रूप से मुख्य अध्यापक सीताराम, संदीप चाहल, मनीदीप पुणिया, अनु मैम, सुशीला मैम, कविता मैम, रानी मैम, मदन गोपाल नाथूराम, वेदपाल, सरपंच डॉ. सुरेश कुमार, पूर्व एसएमसी प्रधान पवन सिहाग, एसएमसी प्रधान बिंडर, मार्केट कमेटी सदस्य बलकार, मनोज शर्मा, सुनील शर्मा, मुन्नी देवी, सतवीर सिंह और रामपाल प्रजापत सहित अनेक सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को विद्यालय में दाखिला दिलाकर उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाएं।

जिला में 2 लाख 69 हजार 809 मीट्रिक टन गेहूं की आवक : डॉ. आनंद कुमार शर्मा

करनाल, 13 अप्रैल (मीनाक्षी देवी) : जिला की मंडियों में गेहूं की आवक लगातार जारी है। इसके दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी जरूरी प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए गए थे, जिनका समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। जिला में करीब 2 लाख 69 हजार 809 मीट्रिक टन की आवक विभिन्न खरीद केंद्रों व मंडियों में हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 112961 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 33116 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 55082 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा 24763 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। उन्होंने बताया कि जिला में गेहूं की फसल की बिक्री के दौरान किसानों को आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के त्वरित समाधान के लिए जिला राजस्व कार्यालय (डीआरओ)में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वर्कशॉप इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (आई/सी) उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, यमुनानगर, हरियाणा–135002, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से केवल निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से ई–निविदाएं आमंत्रित करता है :–

कार्य का नाम	"500 KVA 750V अल्टरनेटर का कार्य और अन्य संबंधित कार्य।		
निविदा प्रकार	खुला	बोली प्रणाली	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा विक्रय समापन तिथि	06.05.2026 प्रातः 11:30 बजे	निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय	13.04.2026
पूर्व–बोली आवश्यक है	नहीं	आज तक प्री–बिड क्वेरी	ना
विज्ञापन मूल्य	रु. 23005868.83/– सभी कर जीएसटी आदि सहित।	निविदा अनुभाग	टेंडर एवं वर्क्स/ इलेक्ट्रिकल शाखा जगाधरी वर्कशॉप
अग्रिम धन	रु. 460100/–	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा दस्तावेज लागत	Nil (अप्रैल 2022 के भाग–I खंड संख्या 3 के अनुसार)	समापन की अवधि	24 माह
बोली आरंभ तिथि	22.04.2026	बोली समाप्ति तिथि	06.05.2026 प्रातः 11:30 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	उसके बाद किसी भी समय निविदा को बंद किया जा सकता है। निविदाकर्ताओं को उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है। निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोलने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है।		
वेबसाइट	www.ireps.gov.in पर जाए		

56/W/इलेक्ट./25–26/T/26/ALT

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1245/26

मदर इंडिया कॉन्वेंट स्कूल में वैसाखी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

रतिया, 13 अप्रैल (अमन सेठी) : रतिया स्थित मदर इंडिया कॉन्वेंट स्कूल में आज वैसाखी पर्व एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती अत्यंत उत्साह, श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यस्5म के दौरान वैसाखी से संबंधित एक आकर्षक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसने भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं कृषि जीवन की झलक प्रस्तुत की। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई इस प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सुंदर परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य लोकेश खुराना ने अपने संबोधन में वैसाखी पर्व के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व केवल फसल कटाई की खुशी का प्रतीक ही नहीं, बल्कि मेहनत, समर्पण और नई शुरुआत का संदेश भी देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि वैसाखी हमें अपने परिश्रम का सम्मान करना और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना सिखाती है। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन हमें इतिहास

के उन अमर शहीदों की याद भी दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। विशेष रूप से उन्होंने जलियांवाला बाग की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दिन निहत्थे भारतीयों पर की गई गोलाबारी हमारे इतिहास का अत्यंत दुखद और हृदय विदारक अध्याय है। प्राचार्य ने सभी शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विद्यार्थियों को उनकी कुर्बानी का महत्व समझाया और कहा कि हमें उनके बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में अनुशासन, देशभक्ति, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को अपनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार हमें समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाते हैं। यदि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, तो हम एक सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण कर सकते हैं। प्राचार्य ने अंत में सभी विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें, अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करें तथा देश के जिम्मेदार नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें। प्रबंधक बसंत लाल बत्रा ने विद्यार्थियों को डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर चलने और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। वहीं उप-प्राचार्या साक्षी बत्रा ने वैसाखी पर्व की खुशियों को साझा करते हुए सभी को एकता, भाईचारे और मेहनत का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को इन महान अवसरों की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भगवान परशुराम जी की मूर्ति स्थापना समारोह और परशुराम जयंती सती शिवाला मंदिर में मनाई जाएगी

सुनाम उधम सिंह वाला 13 अप्रैल (मोहन शर्मा) भगवान परशुराम जयंती और भगवान परशुराम जी की मूर्ति स्थापना समारोह श्री सती शिवाला मंदिर में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नरिंदर ठेकेदार ने बताया कि स्वर्गीय डॉ. श्री विक्रम शर्मा जी की याद में उनकी पत्नी श्रीमती सुधा शर्मा और उनके बेटे डॉ. ईशान शर्मा और पूरे व्यास परिवार की

और से भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की मूर्ति स्थापना करवाई जा रही है इस अवसर पर मन्दिर कमेटी द्वारा श्री मंद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ 12 अप्रैल से 19 अप्रैल तक सती शिवाला मंदिर में आयोजित किया जा रहा है। आज सती सिवाला मन्दिर में सुबह पुजा अर्चना करवाई गई और भगवान परशुराम जयंती पुरे ब्राह्मण भाईचारे की और से बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी और मद्भागवत जी के पाठ के भोग डाले जाएंगे मंदिर कमेटी की तरफ से लंगर का विशेष प्रबंध किया गया है।

डी-प्लान के पैसों का सही तरीके से करें इस्तेमाल, विकास कार्य में ढील नहीं होगी बर्दाश्त, लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई : डॉ राहुल रईया

करनाल, 13 अप्रैल (सुनील कुमार) : अतिरिक्त उपायुक्त डॉ राहुल रईया ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में डी प्लान के तहत करवाए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर कार्यकारी एजेंसियों व संबंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक ली जिसमें करनाल जिला के जनप्रतिनिधि के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। अतिरिक्त उपायुक्त ने बैठक में निर्देश दिए कि सभी विभागों के अधिकारी डी-प्लान के तहत करवाए जाने वाले विकास कार्यों की सबसे पहले फिजिबिलिटी चेक

करें और उसके उपरांत अनुमानित लागत की सही रिपोर्ट तैयार करके अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में समय पर भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि डी-प्लान की गाइड लाइन की अनुपालना के तहत विभागीय कार्य तथा आम जनता से संबंधित डी-प्लान के तहत करवाए जाने वाले विकास कार्यों की सूची संबंधित सांसद, विधानसभा क्षेत्र के विधायक व महापौर इत्यादि जन प्रतिनिधियों के माध्यम से अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में भिजवाएं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को डी-प्लान की गाइड लाइन की प्रति भिजवाना सुनिश्चित करें ताकि आम जनता की मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जा सके।

डॉ. राहुल रईया ने सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अपना कार्य ईमानदारी व अच्छे से करें और सरकारी पैसों का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करें। निर्धारित समय अवधि में कार्य को पूरा करवाएं, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखें, विकास कार्य में बेवजह ढील बर्दाश्त नहीं होगी, लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की मासिक प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाए जिसकी एजेंसी वाईज समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि धरातल पर विकास कार्य पूरा होने व चेकिंग रिपोर्ट के उपरांत समय पर बिल जमा करवाएं तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र संबंधित कार्यकारी एजेंसी अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय को भेजें। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा विधायक के राजनीतिक सचिव सुरेंद्र भौरिया, हरियाणा गवर्नमेंट चीफ व्हिप एवं इंद्री के विधायक प्रतिनिधि नवीन कुमार, करनाल के विधायक के प्रतिनिधि महेश शर्मा, डी-प्लान के परियोजना अधिकारी राजेंद्र कुमार व एपीओ जितेंद्र, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी कंचनलता, पंचायती राज के कार्यकारी अभियंता नारायण दत्त, नगर निगम की कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा, उप सिविल सर्जन डॉ. आर. संधु, जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. सतपाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सुनाम अनाज मंडी में गेहूं की खरीद रुकी, किसानों की परेशानी बढ़ी - अकाली दल ने जताया रोष

सुनाम, 13 अप्रैल (मोहन शर्मा)= सुनाम अनाज मंडी में गेहूं की खरीद को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा और आम आदमी

पार्टी के नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद अब शिरोमणि अकाली दल के नेता भी मैदान में उतर आए हैं। अकाली दल के सीनियर नेता सरदार विनरजीत सिंह गोल्डी, सरदार रविंदर सिंह चीमा और दूसरे नेताओं ने मंडी का दौरा किया और मौजूदा हालात पर चिंता जताई। सरदार विनरजीत सिंह गोल्डी ने कहा कि उन्होंने कई मंडियों का दौरा किया है और हर जगह ऐसे हालात देखे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार की लापरवाही की वजह से पिछले आठ दिनों से फसल मंडियों में पड़ी है, लेकिन खरीद शुरू नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आज 13 तारीख है, लेकिन सरकार अभी भी केंद्र सरकार के साथ ठीक से तालमेल नहीं बिठा पाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की एक टीम आज गेहूं की क्वालिटी की जांच करने के लिए मंडियों में पहुंची है। इसके बाद रिपोर्ट तैयार करके फैसला लिया जाएगा, जिससे खरीद प्रोसेस में और देरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि गेहूं की क्वालिटी अच्छी है और अनाज में कोई खास कमी नहीं है, फिर भी एजेंसियों ने खरीद बंद कर दी है। अकाली दल के नेताओं ने कहा कि किसानों को मंडियों में बेसिक सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। कई ग्रामीण मंडियों में बिजली, टॉयलेट या साफ-सफाई की कमी है। किसान 8-10 दिनों से अपनी फसल लेकर मंडियों में बैठे हैं, जिससे उनकी माली हालत पर असर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने पहले 1 अप्रैल से खरीद शुरू करने का दावा किया था, लेकिन जमीनी हालात इसके उलट हैं। नेताओं ने कहा कि सरकार सिर्फ बयानबाजी कर रही है, जबकि किसानों को मंडियों में दिक्कतें आ रही हैं।

डीसी अपराजिता ने किया सीवन अनाज मंडी का दौरा

कैथल, 13 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने सोमवार को सीवन अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद, उठान व्यवस्था और गेट पास प्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहें। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुसार खरीद सुनिश्चित करने तथा उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए। डीसी ने किसानों से भी बातचीत की। निरीक्षण के दौरान डीसी ने मंडी में पहुंचकर गेहूं की ढेरियों पर नमी मापक यंत्र से नमी की जांच करवाई। इसके साथ ही उन्होंने कांटे पर एक बैग का वजन भी चेक किया, ताकि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इसके बाद उन्होंने सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेते हुए कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एंट्री गेट पास एवं आउट गेट पास व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली और इस दौरान आउट गेट पास काटने में सामने आ रही तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए उच्चाधिकारियों से बातचीत करने का आश्वासन दिया। उन्होंने मंडी में उपलब्ध करवाई जा रही मूलभूत

सुविधाओं की भी समीक्षा की और कहा कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी अपराजिता ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें और निर्धारित मानकों के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करें। किसानों से अपील करते हुए डीसी ने कहा कि वे अपनी फसल को अच्छी तरह सुखाकर ही मंडी में लेकर आएं, ताकि खरीद बिना किसी बाधा के हो सके। इस मौके पर डीएफएससी वरिंद्र सिंह, नायब तहसीलदार मीनू कौशिक, मंडी सचिव सहित विभिन्न खरीद एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीसी ने लिया समस्याओं पर संज्ञान

डीसी अपराजिता ने गेहूं खरीद सीजन को देखते हुए अलग-अलग मंडियों में आ रही समस्याओं पर सख्त संज्ञान लिया। उन्होंने सोलू माजरा गांव में साइलो में आ रही समस्या का समाधान करवाकर गेहूं खरीद शुरू करवाई। साथ ही आउट गेट पास संबंधी तकनीकी खामी को लेकर उन्होंने आला अधिकारियों को जानकारी भेजी। इसी प्रकार से डीसी लगातार सभी मंडियों में चल रही खरीद प्रक्रिया की मॉनिटरिंग कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई उठान एजेंसी अपने कार्य में लापरवाही बरतती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खरीद व उठान निर्धारित समय में पारदर्शी तरीके से होना चाहिए।

करनाल नगर निगम वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 347 करोड़ 13 लाख 45 हजार रुपये का बजट पारित

नगर निगम का बजट पूरी तरह से जनता को समर्पित, विकास को मिलेगी नई गति : जगमोहन आनंद

बजट करनाल को एक आधुनिक और सुविधायुक्त शहर बनाने में मील का पत्थर होगा साबित

करनाल, 13 अप्रैल (परमजीत कौर) : महापौर रेनू बाला गुप्ता की अध्यक्षता में नगर निगम के वित्तीय वर्ष 2026-27 का 347 करोड़ 13 लाख 45 हजार रुपये के प्रस्तावित व्यय का बजट सोमवार को सर्वसम्मति से पारित हो गया। इस बजट में जन सुविधाओं पर खर्च को लेकर गत वर्ष की अपेक्षा ज्यादा जोर दिया गया है। बैठक में करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा, करनाल के सांसद प्रतिनिधि कविन्द्र राणा, सभी 20 वार्डों के निगम पार्षद और निगम के वरिष्ठ अधिकारी तथा शाखा अध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में विधायक जगमोहन आनंद ने प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि नगर निगम का यह बजट पूरी तरह से जनता को समर्पित है। इससे शहर के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटित बजट का शत-प्रतिशत और सही उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पार्षदों से अपील की कि वे अपने वार्डों की जरूरतों के अनुसार प्राथमिकता तय करें ताकि विकास कार्यों का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे। अधिकारियों और पार्षदों के आपसी सहयोग से शहर उन्नति की नई दिशा की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने पार्षदों को कहा कि सप्ताह

में कम से कम 2 से 3 बार निगम कार्यालय आना चाहिए ताकि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों की प्रगति पर नजर रख सकें। उन्होंने नगर निगम के एएमसी को निर्देश दिए कि सभी पार्षदों को बजट के बारे में संक्षिप्त और विस्तृत जानकारी दी जाए ताकि किसी के मन में कोई संदेह न रहे।

अगले बजट में प्री-बजट मीटिंग वार्ड स्तर पर की जाएगी आयोजित : महापौर

बैठक में महापौर रेनू बाला गुप्ता ने कहा किया कि यह बजट करनाल को एक आधुनिक और सुविधायुक्त शहर बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। अगले बजट में प्री-बजट मीटिंग वार्ड स्तर पर आयोजित की जाएगी, ताकि बजट निर्माण में आम जनता और वार्ड समितियों के सुझावों को भी शामिल किया जा सके और विकास योजनाएं धरातल की जरूरतों के अनुरूप बन सकें। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने विधायक, महापौर व सभी पार्षदों को आश्वासन दिया कि शहर में तेजी से विकास कार्य करवाए जाएंगे। आमजन की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समस्या का पता लगने पर उसका तुरंत समाधान निकाला जाए। इस कार्य में लेट-लतीफी न की जाए। उन्होंने शहर में बेहतर व्यवस्था और सुनियोजित तरीके से विकास कार्य करवाने के लिए हाऊस का सहयोग मांगा। बैठक में कविंद्र राणा ने भी बजट को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तर्ज पर अब नगर निगम में भी प्री-बजट बैठकों का आयोजन हो ताकि समावेशी बजट तैयार किया जा सके। बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार, उप निगम आयुक्त विनोद नेहरा, सभी निगम पार्षद व मनोनीत पार्षद सहित नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

त्यौहार सांस्कृतिक, एकता और भाईचारे का देते है संदेश : डा. घुम्मन

शाहाबाद मारकंडा, 13 अप्रैल (रूबी) : सतलुज सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बैसाखी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्री-नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चे रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। कार्यक्रम विद्यार्थियों ने लोक नृत्य, गिद्दा, और भंगड़ा प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने बैसाखी के महत्व पर कविताएं भी प्रस्तुत की। स्कूल के प्राचार्य डा. आर. एस. घुम्मन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बैसाखी न केवल फसलों के पकने अपितु नई ऋतु के आगमन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि त्यौहार हमारे देश की सांस्कृतिक, एकता और भाईचारे का संदेश देते है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कृष्ण बेदी ने किया डिवाइन इंटरनेशनल कैम्ब्रिज मोन्टेसरी प्री प्राईमरी स्कूल का उद्घाटन

विद्यार्थियों को जीवन में मेहनत, अनुशासन एवं लक्ष्य के प्रति रहना चाहिए समर्पित : कृष्ण बेदी

शाहाबाद मारकंडा, 13 अप्रैल (रूबी) : शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए डिवाइन इंटरनेशनल स्कूल का उद्घाटन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. गुरदीप सिंह हेयर एवं डॉ. परमजीत सिंह हेयर ने मुख्यातिथि का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इसके पश्चात निदेशक डॉ. गुरदीप सिंह हेयर, डॉ. परमजीत सिंह हेयर तथा मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी द्वारा

माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक रामकरण काला, यशपाल वधवा और नगरपालिका के प्रधान गुलशन कवातरा सहित गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। बच्चों द्वारा स्वागत गीत और दुर्गा स्तुति की प्रस्तुतियां दी गई तथा बैसाखी के उपलक्ष्य में पंजाब का पारंपरिक भांगड़ा और गिद्धा प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का मन मोह लिया। विद्यालय के निदेशक डॉ.गुरदीप सिंह हेयर ने विद्यालय के विजन और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि डिवाइन इंटरनेशनल स्कूल अन्य संस्थानों से अलग आधुनिक शिक्षाए अनुशासन और नैतिक मूल्यों के माध्यम से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए कार्य करेगा। यहाँ शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होगी बल्कि सीखने की व्यवहारिक पद्धति पर आधारित होगी। डॉ. अर्शदीप कौर हेयर, डा. हरचरण कौर हेयर, डॉ. बलकरण सिंह हेयर, डा. प्रभनूर हेयर, डा. हरचरणबीर कौर हेयर, डा.अमनबीर कौर हेयर, मनराज उपस्थित रहे। राजिंदर खुब्बर और मनीष मलिक ने सभी का आभार व्यक्त किया। मुख्यातिथि कृष्ण कुमार बेदी ने विद्यार्थियों को जीवन में मेहनत, अनुशासन एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। मंच संचालन मनीष मलिक ने किया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचक ज्ञानी साहिब सिंह, अधिवक्ता गौरव बेदी, मलिक विजय आनंद, पार्षद ईशु सचदेवा, राज कुमार गर्ग, सुरेंद्र पाल सिंह लाली, जगदेव सिंह गाबा, संजय मनचंदा, दीपक सिंघल, अमन सिंघल, दीपाली सिंघल, पीयूष राव, पार्षद अमित सिंघल, कमित सचदेवा, चंदन मलिक, महेश भगत, सहित विभिन्न क्लबों, संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे।

त्यौहारों और महापुरुषों के मूल्यों को जीवन में अपनाना चाहिए : दीपाली सिंघल

शाहाबाद मारकंडा, 13 अप्रैल (रूबी) : आइंस्टीन इंटरनेशनल स्कूल शाहाबाद में बैसाखी एवं अंबेडकर जयंती का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा पहली के विद्यार्थियों आदविक व कियारा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से हुई। विद्यार्थी वरदान सिंह ने अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किया। जिसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। महराज कौर ने बैसाखी पर्व पर सुंदर कविता प्रस्तुत की। कक्षा पहली के विद्यार्थियों द्वारा खालसा साजना दिवस पर कविता प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें किसानों

के जीवन को दर्शाया गया कि वह किस प्रकार फसल उगाते हैं और कड़ी मेहनत से उसकी कटाई करते हैं। बैसाखी एवं अंबेडकर जयंती से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया।

विद्यालय के चेयरपर्सन देवेन्द्र सिंगला ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से छात्र अपनी संस्कृति एवं महान व्यक्तित्वों के आदर्शों से परिचित होते हैं। विद्यालय की डायरेक्टर दीपाली सिंघल ने कहा कि हमें अपने त्यौहारों और महापुरुषों के मूल्यों को जीवन में अपनाना चाहिए, तभी हम एक सशक्त और संस्कारित समाज का निर्माण कर सकते हैं। स्कूल की उपप्राचार्या संध्या वर्मा ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें अपने सभी भेदभाव भुलाकर मिलजुल कर हर्ष के साथ मनाने चाहिए।

वैभव सूर्यवंशी इतिहास रचने के मुहाने पर

भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता। आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले सीएसके के दूसरे खिलाड़ी बने सैमसन

संजू सैमसन के शानदार शतक से आखिरकार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को आईपीएल में पहली जीत मिल ही गयी। सैमसन ने 52 गेंदों पर 102 रन बनाए। शुरुआती तीन मैचों में हार के बाद सीएसके ने दिल्ली कैपटल्स को हराया। इस मैच में सैमसन ने शतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। उन्होंने इसी के साथ ही लीग में अपना चौथा शतक लगाया है। ये आईपीएल कैरियर में सैमसन को चौथा शतक है। वहीं कैपिटलस के खिलाफ शतक लगाने वाले वह सीएसके के दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले साल 2012 में मुरली विजय ने दिल्ली के खिलाफ शतक लगाया था। सैमसन ने 52 गेंदों जबकि मुरली ने 58 गेंदों पर शतक लगाय था। इस प्रकार तेजी के मामले में सैमसन उनसे आगे हैं। सैमसन ने अपना पहला शतक पुणे में साल 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट के खिलाफ लगाया था। तब उन्होंने 63 गेंदों पर 102 रन बनाए थे। वहीं 2019 में सैमसन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 55 गेंदों पर 102 रन बनाए जबकि पंजाब किंग्स के खिलाफ साल 2021 में वानखेड़े में 63 गेंदों पर 119 रन बनाए थे।

जब मैन ऑफ द मैच 9 रन बनाने वाला कप्तान बना

क्रिकेट के मैदान पर अक्सर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार उस खिलाड़ी को मिलता है, जो बल्ले या गेंद से धमाकेदार प्रदर्शन करता है। लेकिन दिसंबर 1992 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए मुकाबले ने इस धारणा को बदल दिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मार्क टेलर ने सिर्फ 9 रन बनाए थे, फिर भी उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। बारिश के कारण सिडनी की पिच में नमी थी, जिसने तेज गेंदबाजों को भरपूर मदद दी। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी इस चुनौती के सामने टिक नहीं पाई और पूरी टीम महज 101 रनों पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज के घातक आक्रमण, जिसमें कर्टली एंब्रोज, कमिंस और कॉर्ल हूपर शामिल थे, ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। जब मार्क टेलर का बल्ला खामोश था, तब उनके दिमाग ने कमाल किया। कप्तान के तौर पर टेलर ने परिस्थितियों को बखूबी भांपा और एक शानदार रणनीति बनाई। उन्होंने फील्डिंग सेटिंग्स, गेंदबाजों के सही बदलाव और विपक्षी टीम पर दबाव बनाने की कला का ऐसा इस्तेमाल किया कि मजबूत वेस्टइंडीज टीम पूरी तरह बिखर गई। स्टीव वॉ और माइक व्हिटनी की गेंदबाजी का टेलर ने जबरदस्त तरीके से उपयोग किया, जिससे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे।

खतरनाक वेस्टइंडीज टीम को सिर्फ 87 रनों पर ऑलआउट करना कोई आसान काम नहीं था। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने टेलर की रणनीति के अनुसार सटीक लाइन-लेंथ रखी और लगातार दबाव बनाए रखा। टेलर खुद भी फील्डिंग में बेहद मुस्तैद रहे और उन्होंने शानदार कैच लपके, जिसने विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी। मुश्किल हालात में सही फैसले, बेहतरीन फील्ड सेटिंग, और शानदार कैच - इन सभी ने मिलकर मैच का पासा पलट दिया। इसीलिए, मात्र 9 रन बनाने के बावजूद मार्क टेलर को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं खेल से सन्यास

जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं। वर्स्टापेन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं। सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा। सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं। पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लॉट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे। था। उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी।

पीएसएल छोड़ने के कारण आलोचना का शिकार हुए कुसल मेंडिस

श्रीलंकाई क्रिकेटर कुसल मेंडिस को अचानक ही पाक सुपर लीग (पीएसएल) छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शामिल होने के फैसले के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ा है। कुशल जब मीडिया से बात कर रहे थे। तभी एक पाक पत्रकार ने उनसे कहा कि पीएसएल ने उन्हें सम्मान दिया इसके बाद भी वह क्यों उसे इस प्रकार छोड़कर जा रहे हैं तो माहौल तनावपूर्व हो गया। उनसे सुरक्षा चिंताओं के नाम पर टूर्नामेंट छोड़ने और फिर गुजरात टाइटंस से जुड़ने पर सवाल पूछे गए, जिस पर वे असहज हो गये और कुछ भी नहीं कह पाये। पत्रकार ने पूछा कि अचानक ही लीग छोड़कर जाने का उन्हें पछतावा है कि नहीं। इसके बाद मीडिया मैनेजर उनके बचाव में आये और कहा कि ये सही सवाल नहीं है। उन्हें लीग से जुड़े सवाल ही करने चाहिये। कुसल मेंडिस ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए एक मैच खेला, जिसमें उन्होंने 10 गेंदों पर 20 रन बनाए। वहीं पीएसएल में इस सत्र में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 4 पारियों में 241 रन बनाए हैं। इससे पहले भी कई क्रिकेटर पीएसएल छोड़कर आईपीएल में शामिल होते रहे हैं।

ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड - जाफर

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था।

पिछली कमजोरियों को दूर करने से लाभ मिला-बिश्नोई

राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा है कि पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने का लाभ उसे इस सत्र में मिला है। इसी कारण वह इस सत्र में अब तक अच्छी गेंदबाजी करने में सफल हुए हैं। बिश्नोई के अनुसार उन्होंने अपनी गलतियों पर घरेलू क्रिकेट में काम किया है। बिश्नोई ने मैच के बाद कहा पिछला सत्र मेरे लिए काफी कठिन रहा था, पर मैंने अपने तरीके से काम किया। अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सत्र में काम किया।बिश्नोई ने बताया कि जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो जाता है।

बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट के दौरान मानसिक, तकनीकी और शारीरिक तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब दिख रहा है। आईपीएल में इस गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार विकेट लिए और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। बिश्नोई सबसे पहले साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सत्र में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन नीचे आया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

। दिल्ली कैपिटल्स को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में दौहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है। वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ। आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐस में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

पीएसएल में खेलने पाकिस्तान पहुंचे मैक्सवेल

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने के लिए लाहौर पहुंच गये हैं। पीएसएल में वह हैदराबाद किंग्समेन की ओर से खेलेंगे।मैक्सवेल के पास इस लीग में खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया था। इसके अलावा वह आईपीएल नीलामी में भी शामिल नहीं थे। आईपीएल में मैक्सवेल का प्रदर्शन कभी भी अच्छा नहीं रहा था। वह केवल एक सत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये थे। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण इस बार उन्होंने आईपीएल 2026 के लिए हुई मिनी-नीलामी में भाग नहीं लिया था। इसके बाद वह पीएसएल में में शामिल होकर किंग्समेन से जुड़ गए। वह टी20 लीग में मार्नस लाबुशेन की कप्तानी में खेलेंगे। किंग्समेन का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह चारों मैच हारे हैं और अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। ऐसे में मैक्सवेल के जुड़ने से टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी मजबूत होगी। किंग्समेन को उम्मीद है कि मैक्सवेल के आने से उसे लाभ होगा।

आईपीएल में सबसे कम गेंदों में तीन हजार बनाने का रिकार्ड रिषभ पंत का

आईपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। उन्होंने 2080 गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाए हैं। ऋषभ अभी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और इस सत्र में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में सूची में दूसरे नंबर पर पूर्व ऑलराउंडर युसूफ पठान हैं। पठान ने 2082 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूची में तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव का नाम है। यादव ने 2130 गेंदों का सामना करते हुए आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए हैं। इस सूची में चौथे स्थान पर पूर्व बल्लेबाज और सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने 2135 गेंदों में 3000 रन बनाए हैं। रैना के बाद इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी का नाम है। धोनी इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 2152 गेंदों में 3000 रन बनाने का कारनामा किया है। वहीं स सूची में अब 6वें नंबर पर ईशान किशन का नाम आ गया है और उन्होंने 2180 गेंदों में अपने तीन हजार रन पूरे किए हैं। लोकेश राहुल सूची में 7वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 2203 गेंदों में 3000 रन बनाए थे। सनराजइर्स हैदराबाद की कप्तान संभाल रहे ईशान किशन ने आईपीएल के इस सत्र के पहले ही मैच में अपने इरादे जता दिये हैं। ईशान ने पहले ही मैच में 8 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 80 रन बनाकर किशन का स्ट्राइट रेट 210 से ज्यादा का रहा। इस धमाकेदार पारी के साथ ईशान ने 2180 गेंदों पर अपने 3000 रन पूरे किये। ईशान के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2016 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह लगातार आगे बढ़त रहे हैं। उन्होंने ने अब तक कुल 120 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसकी 113 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 29.6 की औसत और 138.90 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 3078 रन बनाए हैं।

पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे। अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा। पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी।

पाथिराना आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा।

पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं। 14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है। हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का का गेंदबाजी आक्रामक काफी कमजोर रहा है। जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की तरह है सैमसन का स्वभाव - गेंदबाजी कोच

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक साइमन ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जैसे है। कोच के अनुसार जिस प्रकार धोनी शांत रहते हैं और कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आते, एसा ही सैमसन के साथ भी है। सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती तीन मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए बड़ी पारी खेली। साइमन ने कहा कि सैमसन भी शांत रहते हैं और उन्हें भी धोनी की तरह ही खेल की काफी समझ है। उन्होंने धोनी को अब तक के सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया है। साइमन ने कहा कि सैमसन भी बिल्कुल वैसी ही सोच रखते हैं, वे कभी घबराते नहीं और अपना मनोबल बनाये रखते हैं। वह धोनी की तरह ही तैयारी में ज्यादा जोर नहीं लगाते। साइमन ने कहा, ‘मुझे कई सालों तक धोनी के साथ खेलने और उनके साथ जुड़े रहने का मौका मिला है। वे सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। सैमसन भी इसी प्रकार के स्वभाव वाले हैं। वह भी खेल को इसी प्रकार से समझते हैं। मैंने उनके अंदर कोई भव नहीं देखा है। साइमन ने कहा कि सैमसन जैसे क्लास के खिलाड़ी खराब फॉर्म से अपने आप उबर जाते हैं। उनकी क्षमताओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है। उन्होंने बताया कि बड़े खिलाड़ियों को फार्म में नहीं होने पर भी अपने कौशल पर भरोसा रखते हुए मनोबल बनाये रखना चाहिये। साइमन ने कहा,सभी जानते हैं कि खराब फॉर्म सिर्फ अस्थायी है। इसलिए सफलता के लिए सैमसन जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताना जरुरी है।

बाबर आजम पीएसएल में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने -स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है। पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं। बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये। इस मैच में पेशावर ज़ल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए। अब बाबर के 104 मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं। बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं। वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं। इसमें उनका औसत 45.50 है। बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था। इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे। इससे पहले वह पेशावर ज़ल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं।

स्कूली बच्चों ने बैसाखी पर्व उत्साह से मनाया

पखो कलां/बरनाला, 13 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) संत बाबा लोगपुरी ब्रिलिएंट स्कूल पाखो कलां, जो कि संत बाबा चरणपुरी और एम.डी. मैडम करमजीत कौर देवा जी की अगुवाई में चल रहा है, में बैसाखी का त्योहार बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में विशेष असेंबली का आयोजन किया गया। असेंबली के दौरान सीनियर कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा बैसाखी के महत्व पर ज्ञानवर्धक भाषण प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि इस पवित्र दिन श्री गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना की गई और पांच प्यारों को अमृत छका कर सिख धर्म को नई पहचान दी गई। साथ ही 'सरबत दा भला' की भावना से सभी के कल्याण की अरदास करने और सभी धर्मों का सम्मान करने का संदेश भी दिया गया। इसके अलावा जूनियर विंग के बच्चों ने पंजाबी पारंपरिक वेशभूषा पहनकर बैसाखी मेले से संबंधित रंगारंग प्रस्तुतियां और कविताओं का पाठ किया, जिससे कार्यक्रम की रौनक और बढ़ गई। इस मौके पर कमेटी सदस्य एवं प्रिंसिपल सुमन शर्मा ने विद्यार्थियों को बैसाखी की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपनी संस्कृति और विरासत से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। कोऑर्डिनेटर नरेंद्र कौर भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल खुशी और उत्साह से भरपूर रहा।

वाईएस बरनाला में खुशियों एवं रंगों से भरपूर बैसाखी का पर्व मनाया गया

बरनाला, 13 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) आज हमारे स्कूल वाई.एस. बर्नाला में खुशियों और रंगों से भरपूर बैसाखी का त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर को सुंदर सजावट से सजाया गया और विद्यार्थियों में खुशी के माहौल के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने बैसाखी के विशेष अवसर पर इसकी महत्ता को कविता और नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस विशेष मौके पर बच्चों द्वारा प्रस्तुत गिद्धा और भांगड़ा ने इस खुशनुमा माहौल को चार चांद लगा दिए। छोटे बच्चों ने रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर बैसाखी मेले की रौनक में नए रंग भर दिए।स्कूल की ओर से इस त्योहार के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी देने के लिए 'साडा पिंड' नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पंजाबी पारंपरिक भोजन, पहनावा/गहने, अनाज, लोक वाद्य यंत्र, पुराने वृक्ष, पंजाबी रसोई, खेती-बाड़ी में उपयोग होने वाले उपकरण तथा कुछ लुप्त होती चीजों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रत्येक कक्षा को इस प्रदर्शनी में बुलाकर पंजाबी विरासत से परिचित कराया गया और विद्यार्थियों को अपनी विरासत से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया।अंत में स्कूल की प्रिंसिपल मैडम और डायरेक्टर साहब ने सभी को बैसाखी की शुभकामनाएं देते हुए पूरी प्रदर्शनी में भाग लिया। बैसाखी का यह कार्यक्रम सभी के मन में एक अमिट छाप छोड़ गया।

रंग, उल्लास और परंपरा का अदभूत संगम- बीवीएम में उत्साह से मनाया बैसाखी पर्व

बरनाला, 13 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में आज बैसाखी पर्व बड़े ही हर्षोल्लास,उमंग और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगे परिधानों,लोकगीतों और उत्सव की ऊर्जा से सराबोर दिखाई दिया। इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों ने पंजाबी संस्कृति की समृद्ध विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई,जिसमें विद्यार्थियों ने पंजाबी वेशभूषा धारण कर उत्सव की शोभा बढ़ाई। छोटे-छोटे बच्चों ने भांगड़ा और गिद्धा जैसे लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं,जिन्होंने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर में ढोल की थाप पर झूमते हुए विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था।इस अवसर पर बच्चों को बैसाखी के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में भी बताया गया। शिक्षकों ने सरल भाषा में समझाया कि बैसाखी न केवल फसल कटाई का पर्व है,बल्कि यह परिश्रम,समृद्धि और एकता का प्रतीक भी है। विद्यार्थियों ने बड़े ध्यान और उत्साह के साथ इस जानकारी को ग्रहण किया।विद्यालय के प्रबंधन ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के उत्सव बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रमोद अरोड़ा जी ने कहा कि बैसाखी हमें मेहनत,समर्पण और खुशहाली का संदेश देती है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के भीतर अपनी जड़ों के प्रति गर्व की भावना उत्पन्न करते हैं। विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती गीता अरोड़ा जी,श्री निखिल अरोड़ा जी एवं श्रीमती नेहुल अरोड़ा जी ने भी अपने संदेश में कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इसके पश्चात विद्यालय की प्रिंसीपल धालीवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि त्योहार हमारे जीवन में खुशियाँ और सकारात्मकता लेकर आते हैं।

हर बच्चे तक पहुंचेगी कृमि मुक्ति की गोली

पानीपत, 13 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : जिला सचिवालय के सभागार में सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय कार्यबल की बैठक में उपायुक्त डॉ. विरेंद्र कुमार दहिया ने आगामी राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह अभियान 21 अप्रैल को आयोजित होगा, जबकि 5 मई को अनुवर्ती दिवस रखा गया है। बैठक में नेशनल हेल्थ मिशन हरियाणा नेशनल हेल्थ मिशन हरियाणा के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

उपायुक्त डॉ .दहिया ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अभियान के दौरान 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों तथा 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं को निःशुल्क कृमि नाशक दवा (एल्बेंडाजोल) उपलब्ध कराई जाएगी और इसका वितरण पूरी पारदर्शिता व जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास से सीधा जुड़ा हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि दवाइयों का समय पर और सही तरीके से वितरण हो तथा अधिकतम लाभार्थियों तक इसका लाभ पहुंचे।

उपायुक्त ने विशेष रूप से विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों और शहरी क्षेत्रों में बनाए जाने वाले शिविरों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि दवा वितरण के दौरान स्वच्छ पेयजल, आवश्यक सामग्री और प्रशिक्षित कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

सीएमओ विजय मलिक ने बताया कि कृमि संक्रमण बच्चों में कुपोषण, रक्ताल्पता और पढ़ाई में कमी का प्रमुख कारण बनता है। ऐसे में यह अभियान बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों को प्रशिक्षण, जन-जागरूकता और निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए डिजिटल माध्यमों, सामाजिक मंचों, जागरूकता रैलियों और स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारियां निभाते हुए इस अभियान को सफल बनाएं और निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करें। इस अभियान के संबंध में निगम शिक्षा विभाग की अहम भूमिका रहेगी। बस स्टैंड पर क्लिपिंग के माध्यम से भी प्रचार करने के उपायुक्त ने निर्देश दिए। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त अंकित चौकसे, डीईओ राकेश बूरा, सीएमओ विजय मलिक के अलावा विभिन्न विभागों से अधिकारी मौजूद रहे।

ग्लोब हेरिटेज में हुआ प्रतिभा खोज कार्यक्रम

प्रतिभा को उचित मंच मिलने पर होता है कौशल का विकास : रीतू सिंगला

लाडवा, 13 अप्रैल (राम गोपाल) : ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल में प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी का मन मोह लिया। कोऑर्डिनेटर मोनिका अरोड़ा व सपना ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल परिसर में बच्चों की प्रतिभा को जानने व उन्हें निखारने के उद्देश्य से प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ मंच पर नृत्य, संगीत, कविता पाठ, भाषण एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी कला का परिचय दिया। बच्चे वैसाखी पर्व के हिसाब से सज धज कर स्कूल में आये हुए थे और विद्यार्थियों ने बैसाखी पर पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत कर पंजाबी संस्कृति की झलक दिखाई, वहीं कुछ विद्यार्थियों ने डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जयंती पर उनके जीवन, संघर्ष एवं समाज सुधार के योगदान पर आधारित भाषण और नाट्य प्रस्तुतियाँ दीं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रधानाचार्या व स्कूल स्टाफ द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्या रीतू सिंगला ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि भगवान हर इंसान को कुछ प्रतिभाएं देकर भेजता है और अगर उन प्रतिभाओं को उचित अवसर व उचित मंच प्राप्त हो तो वह प्रतिभा उसके कौशल में परिवर्तित हो जाती है जो वर्तमान के प्रतियोगिता भरे युग में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वैसाखी पर्व की शुभकामनायें देते हुए कहा कि जहाँ वैसाखी का पर्व मन में उमंग देने वाला होता है वहीँ जलियावाला बाग़ में शहीद हुए भारतवासियों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि देने का दिवस है। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम : सुमन बहमनी

यमुनानगर, 13 अप्रैल (दिनेश कुमार) : महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करने को लेकर सोमवार को महापौर कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर सुमन बहमनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा राज्य समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व चेयरपर्सन रोजी मलिक आनंद मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची। कार्यक्रम में काफी संख्या में नगर निगम की महिला कर्मियों व अन्य महिलाओं ने हस्ताक्षर कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर 15 अप्रैल को डीएवी कॉलेज से धन्यवाद स्कूटी रैली निकाली जाएगी। जिसमें सैकड़ों महिलाएं, युवतियां व छात्राएं भाग लेंगी और रैली निकाल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करेंगी। यह रैली डीएवी कॉलेज के मुख्य द्वार से शुरू होकर प्यारा चौक से घूम कर निरंकारी चौक, शहीद भगत सिंह चौक से वापस डीएवी कॉलेज पर आकर संपन्न होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में महिलाओं के लिए यह अधिनियम पारित किया गया है। यह अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने एवं राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में सशक्त बनाएगा और समाज में उनकी भागीदारी को और अधिक मजबूत करेगा। यह अधिनियम देश की महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। भाजपा नेत्री रोजी मलिक आनंद ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के अधिकारों और सम्मान को नई दिशा देगा। भाजपा हमेशा से महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है और यह कदम उसी संकल्प का प्रमाण है। भाजपा नेत्री मनीषा ने कहा कि नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है, इसी विचार के साथ भाजपा संगठन महिला सशक्तिकरण के इस मिशन को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने सभी महिला कर्मियों व महिलाओं को 15 अप्रैल को डीएवी कॉलेज के सामने रेलवे रोड पर निकाली जाने वाली धन्यवाद रैली में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

हर घर संविधान प्रस्तावना अभियान के अंतर्गत डीसी अपराजिता को संविधान प्रस्तावना देकर किया सम्मानित

राजौंद, 13 अप्रैल (नरेश कुमार पुहाल) : सोमवार को आदिकवि दिनाभाना डॉ. बी.आर. आंबेड़कर वैलफेयर सोसाईटी पंजीकृत द्वारा चलाया गया हर घर संविधान प्रस्तावना अभियान के अंतर्गत उपायुक्त अपराजिता को संविधान प्रस्तावना देकर सम्मानित किया गया और एक मांगपत्र दिया गया। जिसमें संस्था द्वारा एक वृद्धाश्रम/अनाथ आश्रम चलाने के लिए जगह उपलब्ध कराने की मांग की गई। जिसमें बेसहारा बुजुर्गों, बच्चों के आवास के लिए वृद्धाश्रम/अनाथ आश्रम चलाया जाएगा, एक पुस्तकालय खोला जाएगा, जिसमें गरीब, वंचित और शोषित समाज के छात्र निःशुल्क पढ़ाई कर सके। जिसमें संस्था द्वारा सभी नौकरियों की परीक्षा से संबंधित पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध करायी जायेगी और एक कंप्युटर लैब बनाई जाएगी जिसमें छात्रों को निःशुल्क कंप्युटर का बेसिक कोर्स करवाया जायगा। उपायुक्त जी ने हर घर संविधान प्रस्तावना अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान लोगों में संविधान के प्रति जागरूक लाने में अहम भूमिका निभा रहा हैं। भारतीय संविधान केवल एक सरकारी दस्तावेज ही नहीं है बल्कि इस संविधान से भारत देश चलता हैं। भारतीय संविधान में देश की महिलाओं, आम नागरिकों, शोषित, वंचित, और पिछड़े वर्गों के अधिकार सुरक्षित हैं। उपायुक्त जी ने संस्था की प्रसंशा करते हुए कहा कि जिला नागरिक हस्पताल कैथल में दाखिल मरीजों को सुबह 9:30 से 10:45 तक दूध-खिचड़ी, खीर, ब्रेड, फल आदि की सेवा दी जा रही हैं, यह सेवा समाज हित बहुत ही अच्छा कार्य हैं।

संस्था के अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बताया कि यह सेवा तीन साल से लगातार चली हुई हैं। यह सेवा कैथल के सम्मानित शहरवासियों, दुकानदारों, और आम नागरिकों के सहयोग से यह नेक कार्य चला हुआ हैं। संस्था के अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बताया कि इस नेक कार्य के अलावा अन्य सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते रहते हैं, जिनमें से हर घर संविधान प्रस्तावना अभियान इस अभियान में आम नागरिकों को संविधान के प्रति जागरूक करना, देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों के साथ साथ भारत देश के प्रति हमारे भी कुछ मौलिक कर्तव्य बनते हैं के लिए जागरूक करना हैं। जो कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हैं।

इसके अलावा संस्था द्वारा समय समय पर लोगों की केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई गई विभिन्न प्रकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाता हैं। जिसमें अंजू, सोनू, ज्योति, सोनू कैलरम, साहिल आदि सदस्य शामिल रहें।

श्री खाटू श्याम मंदिर में वरूथिनी एकादशी बड़े ही श्रद्धा और धूमधाम से मनाई गई

- वरूथिनी एकादशी के व्रत से समस्त पापों का नाश होता है : दीपक पांडे

करनाल, 13 अप्रैल (रविन्द्र मलिक) : शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में वरूथिनी एकादशी बड़े ही श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाई गई। एकादशी पर मंदिर व बाबा श्याम के स्वरूप को फूलों से सजाया और महकाया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा अर्चना की। सुबह से लेकर शाम तक मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। सभी भक्तों के हाथों में गुलाब के फूल नजर आ रहे थे। एकादशी के उपलक्ष्य में मंदिर में कीर्तन का आयोजन भी किया गया। श्रद्धालुओं खुब कीर्तन का आनंद उठाया। कीर्तन के दौरान हुए गुणगान के माध्यम से श्रद्धालुओं को वरूथिनी एकादशी महत्व बताया गया। मंदिर कमेटी द्वारा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर पंडित दीपक पांडे ने बताया कि वैशाख मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरूथिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के वराह अवतार की पूजा करने से जातक के समस्त पापों का नाश होता है। यह व्रत सौभाग्य प्रदान करने वाला और दुखों को दूर करने वाला माना गया है। पंडित दीपक पांडे ने बताया कि वरूथिनी एकादशी का फल कन्यादान और वर्षों की तपस्या के समान पुण्यकारी है। इस अवसर पर मुख्य सेवक देसराज गुप्ता ने बताया कि श्री खाटू श्याम मंदिर में हर एकादशी पर भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है। मंदिर में दर्शन करने के लिए करनाल सहित दूर-दूर से लोग पहुंचते है और सबकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। मंदिर कमेटी की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की जाती है। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य सेवक देसराज गुप्ता, राजेश गर्ग, महेंद्र गुप्ता, अनिल गर्ग, राम करण गोयल, अशोक सिंघला, अनुपम त्रिपाठी, पंडित उमेश पांडे, पवन गुप्ता, राजेश सिंघला व हरीश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रशासन पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कर रहा कार्य : उपायुक्त डॉ विरेंदर कुमार दहिया

पानीपत, 13 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : मुख्यमंत्री नायब सिंह की जन हित को लेकर की गई पहल का जिले के नागरिकों को भरपूर लाभ मिल रहा है। सोमवार को जिला सचिवालय सभागार में आयोजित जनता समाधान शिविर की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त डॉ. विरेंद्र कुमार दहिया ने कहा कि जनता समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य हर नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुनकर उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उपायुक्त ने बताया कि सोमवार को प्राप्त 25 शिकायतों में अधिकांश शिकायतें आधारभूत सुविधाओं और प्रशासनिक सेवाओं से संबंधित थीं, जिन पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य कर रहा है ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि हर समस्या का समाधान मौके पर या निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। नगर निगम आयुक्त डॉ. पंकज ने कहा कि सफाई व्यवस्था, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट और प्रदूषण से जुड़ी शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधाओं को बेहतर बनाना निगम की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एडीसी अंकित चौकसे ने शिविर को प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि कोई भी शिकायत लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग से संबंधित हर शिकायत को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना उनकी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे बेझिझक अपनी समस्याएं सामने रखें, हर शिकायत पर निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एसडीएम मनदीप ने बताया कि शिविर में आई राजस्व और प्रशासनिक शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है, ताकि लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सीईओ डॉ. किरण ने कहा कि विकास योजनाओं और ग्रामीण स्तर की समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

डीडीपीओ राजेश शर्मा ने बताया कि गांवों में विकास कार्यों और पंचायत स्तर की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए स्वच्छता, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं में सुधार के लिए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। शिविर में महात्मा गांधी बस्ती की निवासी शीला ने क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण की समस्या उठाते हुए जल्द समाधान की मांग की। प्रार्थी अंकित ने दिव्यांग पेंशन बनवाने का अनुरोध किया, जबकि राजेश वासी मांडी ने गली के निर्माण की मांग करते हुए बताया कि आवागमन में भारी दिक्कत हो रही है। सरोज बाला ने पेंशन से संबंधित बैंक डिटेल निकलवाने के लिए सहायता मांगी। इस अवसर पर डीएसपी सतीश वत्स, एलडीएम राजकुमार, डिप्टी सीएमओ दिव्या साहनी, डॉ. प्रज्ञा, कृषि विभाग के कार्यकारी अभियंता सुधीर, पुलिस कंप्लेंट अधिकारी सुरेश सरोहा, महेश त्यागी, संजीव शर्मा, जोगिंदर, रमेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शानदार संगीतमय संध्या का आयोजन

पटियाला 13 अप्रैल (निस) किशोर कुमार फैन्स कल्चरल एंड वेलफेयर क्लब रजि द्वारा वैसाखी के अवसर पर पटियाला स्थित गेड़ी रुट मार्किट में संगीतमय शाम का आयोजन किया गया। क्लब के प्रधान श्री राजीव वर्मा एवं प्रेस सचिव जगप्रीत सिंह महाजन ने बताया कि वैसाखी के शुभ अवसर पर नितिन जैन एवं अनुज जैन द्वारा गेड़ी रुट मार्किट में श्री सुरेन्द्र शैरी (म्युजिक अरेंजर) की टीम द्वारा लाइव बैंड एवं संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। क्लब के मेंबर मैडम कल्पना गुप्ता, श्री राजेश कपिल, राकेश मरवाहा के अलावा श्री संतोष कटारिया प्रसिद्ध फिल्म डायरेक्टर गायक मैडम अरविंदर कौर श्री प्रिंस शर्मा एवं तनिष्का विशेष तौर पर पहुंचे। अभिजीत शर्मा ने अपने लिखित गीत को गाया श्री राजीव वर्मा द्वारा **समां है सुहाना,** मैडम कल्पना गुप्ता द्वारा **उनसे मिली नजर कि मेरे होश उड़ गए,** राजेश कपिल द्वारा **चाहिए थोड़ा प्यार**, मैडम अरविंदर कौर द्वारा **ये मेरा दिल,** प्रिंस शर्मा द्वारा **बदलते सितारे** अभिजीत शर्मा द्वारा **बचना ऐ हसीनो** तनिष्का द्वारा **खातबूा, खातूबा** गाए गीतों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया मंच संचालन की भूमिका श्री राजीव वर्मा एवं राजेश कपिल द्वारा बखूबी निभाई गयी। अंत में नितिन जैन व अनुज जैन द्वारा सभी कलाकारों का सम्मान किया गया।

जमीन विवाद में घर में घुसकर मारपीट, 2 घायल

राजपुरा 13 अप्रैल (राजिंदर सिंह कंबोज) राजपुरा के साथ लगते गांव सैद खेड़ी से जमीन विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट इतनी भयानक थी कि पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जानकारी के अनुसार गांव सैद खेड़ी के रहने वाले अमरिंदर सिंह, उनकी पत्नी और तीन बेटियों पर दूसरे व्यक्ति ने हमला कर दिया, जिसका नाम निशान सिंह है। मामला जमीन विवाद का था और पीड़ित ने कोर्ट में केस कर रखा है। पीड़ित स्वर्णजीत और उसके परिवार की तरफ से निशान सिंह और उसके बेटे पर आरोप लगाते हुए कहा कि जमीन विवाद को लेकर वह हमारे घर आया और जब मैं, मेरी पोतियां और मेरी बहू घर में अकेली थीं, तो हमारे साथ मारपीट की। उनके पास हथियार भी थे और उन्होंने गंदी-गंदी गालियां दीं और मेरे साथ मारपीट की। उन्होंने मेरी पोतियों के साथ भी गाली-गलौज की और मारपीट की। इसके बाद उन्होंने हमें जान से मारने की धमकी दी। वे मुझे धमकाते हुए वहां से चले गए। मुझे आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया जहां मेरा और मेरी पोती का इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नीले ड्रम में झूठी शराब बरामदगी मामला, एसएचओ समेत तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

शाहकोट 13 अप्रैल (निस) शाहकोट पुलिस की एक कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है, जिसके बाद डिपार्टमेंट ने सख्त कार्रवाई करते हुए स॰ाह समेत तीन पुलिस वालों को लाइन हाजिर कर दिया है। यह जानकारी स्स्क हरविंदर सिंह विर्क द्वारा की गई है। विभागीय जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए संबंधित कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। मामले की गहन जांच जारी है और आगे जांच में जो भी दोषी पाया गया है उस पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, 9 अप्रैल को शाहकोट थाने में अकरम नाम के एक शख्स के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस नंबर 90 दर्ज किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि उसके घर से 35 लीटर लाहन बरामद हुई है।

दो पक्षों के विवाद में बरसे ईंट-पत्थर, दहशत का माहौल ?

अबोहर 13 अप्रैल (निस) गत रात्रि स्थानीय मोहल्ला आर्य नगरी गली नंबर 9 में लोग उस समय घबरा गये जब अचानक उनके घरों पर ईंट पत्थर बरसने लगे, लोगों ने कमरों में छुपकर अपनी व बच्चों की जान बचाई। गत रात करीब 10 से 11 बजे के बीच यहां दो पक्षों में जमकर ईंट पत्थर चले। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस पत्थराव में कई घरों को नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार यहां के निवासियों महावीर, सन्नी व सुशील ने बताया कि पिछले लंबे समय से यहां पर रहने वाले दो गुटों में आपसी विवाद चल रहा है जिनमे अक्सर लडाई झगडा चलता रहता है। वे ना दिन देखते हैं और ना रात देखते हैं कभी भी एक दूसरे पर हमला कर देते हैं सन्नी ने बताया कि वह कबाड का काम करता है गत रात करीब 11 बजे परिवार सहित बैठकर खाना खा रहा था कि अचानक गली में इंट पत्थर बरसने लगे कुछ ईंटों उनके मकान में और छत पर भी आई। जिस पर उन्होंने अपने बच्चों को कमरों में ले जाकर उनकी जान बचाई। इस पत्थराव के कारण गली में खडा उसका टैम्पू बुरी तरह से टूट गया, जिससे हजारों रुपए का नुकसान हो गया। इसके अलावा घरों में लगी वाशवेशन, शीशे, छत पर लगे दरवाजे आदि भी टूट गये, मोहल्ले के अनेक घरो को नुकसान पहुचा। लोगो ने 112 पुलिस लाईन को सूचना दी। जब पुलिस आई तो हमलावर वहां से भाग गए। लोगों ने पुलिस प्रशासन से हमलावर लोगों पर कार्रवाई करने और उनके हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की है।

चंडीगढ़ में पासपोर्ट आफिस को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

चंडीगढ़ 13 अप्रैल (निस) शहर में उस समय दहशत का माहौल बन गया, जब पासपोर्ट ऑफिस में बम होने की धमकी की खबर मिली। बताया जा रहा है कि विदेश मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों को एक ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। इस ईमेल में दावा किया गया है कि शहर में 12 ढ्ढश्वष्ठ लगाए गए हैं, जो फट सकते हैं। शहर के सभी पासपोर्ट/पोस्ट आफिस में 12 जहरीले गैस बम ब्लास्ट होंगे।यह धमकी भरा ईमेल सोमवार सुबह भेजा गया, जिसमें चंडीगढ़ के रीजनल पासपोर्ट ऑफिस के ऑफिशियल ईमेल एड्रेस भी शामिल थे। ईमेल भेजने वाले ने खुद को %आजाद द्रविड़ नाडु% से जुड़ा बताया है। इस लेटर में तमिलनाडु से जुड़े पॉलिटिकल और पुलिस मामलों के साथ-साथ बांग्लादेश के डेवलपमेंट को लेकर भी नाराजगी जताई गई है। धमकी मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत पूरी तरह एक्टिव हो गई हैं। शहर के मुख्य इलाकों, भीड़भाड़ वाली जगहों और सरकारी ऑफिसों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए जगह-जगह बम डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड टीमों को तैनात किया गया है। जानकारी के मुताबिक, ये ईमेल आधी रात 2 बजे के करीब भेजी गई है। इससे पहले भी चंडीगढ़ के स्कूलों को बार बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब , सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड , पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

चार आरोपी गिरफ्तार

लुधियाना 13 अप्रैल (निस) लाडोवाल इलाके में युवक प्रदीप कुमार की संदिग्ध हालात में हुई मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के भाई के मुताबिक उनके बाऊ को फोन पर सूचना दी गई थी कि प्रदीप ने सल्फास खा लिया है, लेकिन परिवार ने शुरू से ही मामले को संदिग्ध बताते हुए पत्नी मोनिका शर्मा समेत अन्य पर गंभीर आरोप लगाए थे। परिवार का कहना है कि पारिवारिक विवाद के चलते प्रदीप मानसिक तनाव में था। घटना के बाद उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया था। थाना टिब्बा पुलिस ने अब कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को काबू कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है और अन्य पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद परिवार को इंसाफ की उम्मीद जगी है।

गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में अमृत संचार के माध्यम से संगत ने गुरु से अपना नाता मजबूत किया-हरमीत कालका

नई दिल्ली 13 अप्रैल (अमृतपाल) 327वें खालसा साजना दिवस के पवित्र अवसर पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में आयोजित विशाल धार्मिक समागम के दौरान दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने समस्त संगतों को लाख-लाख बधाई दी और खालसा पंथ की महानता को उजागर करते हुए संगत को गुरु से जुड़ने का संदेश दिया। संगत को संबोधित करते हुए कालका ने कहा कि यह बहुत गर्व और सौभाग्य की बात है कि आज संगत ने गुरु साहिब द्वारा बख्शी गई अनमोल दात खंडे-बाटे की पहुल प्राप्त करके अपने जीवन को गुरु वाला बना लिया है। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य इस संसार में जन्म लेता है तो उसके वश में नहीं होता कि वह अपने माता-पिता या गुरु का चयन करे, लेकिन खालसा पंथ को यह विशिष्ट दात प्राप्त है कि हर सिख अपनी आध्यात्मिक इच्छा के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह जी को अपना पिता और माता साहिब कौर जी को अपनी आध्यात्मिक माता के रूप में स्वीकार करता है। यह अद्वितीय आध्यात्मिक संबंध खालसा पंथ की महानता और विशिष्टता का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा धर्म प्रचार की लहर को मजबूत करने के लिए लगातार अमृत संचार समागम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक संगत गुरु की रहित से जुड़ सके। उन्होंने गुरु साहिब के वचनों रहित प्यारी मुझ को, सिख प्यारा नाहीं का उल्लेख करते हुए कहा कि रहित से जुड़ना ही सच्चे सिख जीवन की पहचान है।कालका ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत शताब्दी के अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा बड़े स्तर पर अमृत संचार करवाने का संकल्प लिया गया था, जिसके सफल परिणामस्वरूप हजारों की संख्या में संगत गुरु से जुड़ रही है और आज भी सैकड़ों की संख्या में संगत ने अमृत पान करके अपने जीवन को गुरु से जोड़ लिया है। उन्होंने संगत से अपील की कि 14 अप्रैल को बैसाखी के पावन अवसर पर भाई लखी शाह वणजारा हॉल में आयोजित विशाल कीर्तन समागम और अमृत संचार में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर गुरु घर की खुशियों में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि जो भी संगत अमृत पान करने की इच्छुक है, वह 14 अप्रैल को सुबह 10 बजे तक गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में अपना नाम दर्ज करवाए, ताकि 11 बजे अमृत संचार समागम सुचारू रूप से आरंभ किया जा सके।अंत में कालका ने समस्त संगत को खालसा साजना दिवस और बैसाखी के पावन त्योहार की पुन: लाख-लाख बधाई दी।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के आरोप, पुलिस ने की सख्त कार्रवाई

गुरदासपुर 13 अप्रैल (निस) दीनानगर शहर के पंडित गली के रहने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के आरोप में दीनानगर पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रमुख दीनानगर अमृतपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने हनी महाजन की शिकायत का नोटिस लिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंडित चंदन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भगवान शिव से संबंधित एक आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की है।

पंजाब विस में संशोधन बिल पास...

पृष्ठ एक का शेष ... व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और दूसरों के लिए मिसाल बनेगा। उन्होंने आगे कहा, पंजाबियों ने हमेशा राज्य में शांति और भाईचारे के सिद्धांतों को कायम रखा है और कोई भी राज्य के गहरे सामाजिक ताने-बाने को कभी भी तबाह नहीं कर सकेगा। हर कीमत पर शांति और भाईचारिक साझा बनाए रखने का दृढ़ इरादा रखते हुए हमारी सरकार ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देगी, जो राज्य की भाईचारक सांझ, तरक्की और खुशहाली के लिए खतरा पैदा कर सकती है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी हर सिख के पिता हैं और राज्य सरकार इस पवित्र ग्रंथ की सुरक्षा सुनिश्चित बनाने के लिए वचनबद्ध है। कानून की महत्ता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर श्री गुरू ग्रंथ साहिब पंजाब में सुरक्षित नहीं तो फिर और कहीं नहीं हो सकते। यह ऐक्ट बेअदबियों को रोकने के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।